



श्रमसाधना



हम बनेंगे आपकी आवाज
रखें करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnagnews.com

दैनिक सांध्यकालीन

वर्ष: 38, अंक: 35 ग्वालियर, शनिवार 05 सितंबर 2026

डाक पंजीयन

RNI रजि. क्र. 50069/89

विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

महापौर, सभापति और निगमायुक्त ने पूजा-अर्चना कर किया भगवान का अभिषेक; देर रात तक लगी रहीं दर्शनार्थियों की कतारें

गोपाल मंदिर में राधा-कृष्ण के मनोहारी स्वरूप के दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु

ग्वालियर जीएनएस
फूलबाग स्थित ऐतिहासिक गोपाल मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान श्री राधा-कृष्ण का ऐतिहासिक और अमूल्य आभूषणों से भव्य श्रृंगार किया गया। मनोहारी स्वरूप के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतारें लग गईं, जो देर रात तक जारी रहीं। हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

जन्माष्टमी के अवसर पर शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच सेंट्रल बैंक के लॉकरों से भगवान के

बहुमूल्य आभूषण निकाले गए। निगमायुक्त द्वारा गठित समिति की मौजूदगी में आभूषणों को मंदिर लाया गया। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद इन्हीं ऐतिहासिक आभूषणों से भगवान श्री राधा-कृष्ण का मनोहारी श्रृंगार किया गया। श्रृंगार के बाद महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार, सभापति मनोज तोमर, उपनेता सत्तापक्ष मंगल यादव, निगमायुक्त अभिषेक चौधरी सहित निगम अधिकारियों ने पूजा-अर्चना कर भगवान का अभिषेक किया। इसके बाद आम श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के पट खोल दिए गए।



दर्शन के लिए देर रात तक लगी कतारें : भगवान के अलौकिक स्वरूप के दर्शन के लिए गोपाल मंदिर के बाहर

श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भक्तों में भगवान के श्रृंगार के दर्शन को लेकर खासा उत्साह नजर आया। मंदिर को आकर्षक फूल

बंगले और रंगोली से सजाया गया, वहीं अत्याधुनिक विद्युत सज्जा भी की गई, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर परिसर में बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई गई, जिसके माध्यम से मंदिर के अंदर भगवान श्री राधा-कृष्ण के लाइव दर्शन कराए गए। इससे भीड़ के बीच मौजूद श्रद्धालुओं को सहजता से दर्शन करने का अवसर मिला।

मंदिर परिसर में विशेष स्वच्छता व्यवस्था : जन्माष्टमी पर उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए नगर निगम के स्वास्थ्य अमले ने मंदिर परिसर और आसपास विशेष

स्वच्छता अभियान चलाया। श्रद्धालुओं की आवाजाही के दौरान लगातार सफाई की गई। मंदिर परिसर सहित आसपास के क्षेत्रों में जगह-जगह डस्टबिन रखे गए, ताकि कचरा न फैले। निगम का स्वास्थ्य अमला पूरे दिन सफाई व्यवस्था में जुटा रहा और समय-समय पर मंदिर परिसर की सफाई करता रहा। इस अवसर पर अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव, प्रदीप सिंह तोमर, अपर आयुक्त वित्त अरविंद शर्मा, उपायुक्त एवं नोडल अधिकारी पार्क मुकेश बंसल सहित पुलिस विभाग के अधिकारी और नगर निगम का अमला मौजूद रहा।

दुग्ध समितियों से किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास, प्रत्येक नगर पंचायत में बनेगा गीता भवन

कैलारस शुगर फैक्ट्री को कराया जाएगा पुनः प्रारंभ : डॉ. यादव

मुरैना/भोपाल जीएनएस
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कैलारस शुगर फैक्ट्री को पुनः शुरू कराया जाएगा। इससे क्षेत्र के किसानों को अपनी उपज का बेहतर लाभ मिलने के साथ उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मुरैना जिले में दुग्ध समितियों के माध्यम से दूध संग्रहण को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे। जिले की प्रत्येक नगर पंचायत में गीता भवन का निर्माण कराया जाएगा, जहां नागरिकों को अध्ययन का अवसर मिलेगा। वहीं जिले के एक विकासखंड में वृंदावन भवन भी बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को कृषि उपज मंडी परिसर मुरैना में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को सीहोर से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों और कृषि प्रदर्शनियों के माध्यम से किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों और नई तकनीकों से जोड़ने में मदद मिलेगी।

दिन में 10 घंटे बिजली देने का प्रयास : मुख्यमंत्री ने कहा कि मुरैना जिला गेहूं, धान, तिलहन और दलहन उत्पादन में अग्रणी है। किसानों को गेहूं की खेती को बढ़ावा देना चाहिए। खेती के लिए दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के प्रयास किए



जाएंगे। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को देश में प्रथम पुरस्कार मिला है। भविष्य में 30 लाख लोगों को सोलर पंप उपलब्ध कराने की योजना है। इससे किसानों को सिंचाई के साथ बिजली खर्च में भी राहत मिलेगी।

उन्होंने किसानों से दूध डेयरी को आय के अतिरिक्त साधन के रूप में अपनाने और पशुपालन को बढ़ावा देने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है और इसके तहत किसानों के हित में विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

अब एक साल में चुका सकेंगे कृषि ऋण : मुख्यमंत्री ने बताया कि किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण की सुविधा दी जा रही है। खरीफ और रबी फसलों के लिए ऋण चुकाने की अवधि छह-छह माह से बढ़ाकर एक वर्ष कर दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टरों को दिए अग्रिम तैयारियां पूरी रखने के निर्देश

भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए प्रशासन रहे सजग

भोपाल जीएनएस

प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी जिलों के कलेक्टरों को हार्ड अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने संभावित अतिवृष्टि की स्थिति से निपटने के लिए राहत एवं बचाव की तैयारियां पहले से पूरी रखने तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार और शनिवार को भारी बारिश की संभावना, विशेष रूप से उत्तरी मध्यप्रदेश में जारी अलर्ट को देखते हुए स्थानीय प्रशासन को पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए



राहत एवं बचाव दलों तथा आवश्यक संसाधनों को पहले से तैयार रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित को ध्यान में रखते हुए आवश्यकता के अनुसार सभी एहतियाती कदम तत्काल उठाए जाएं। संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने के साथ ही किसी भी संभावित समस्या की स्थिति में त्वरित राहत पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

अवैध हथियार बेचने के आरोप में फालका बाजार स्थित शान गन हाउस संचालक गिरफ्तार, एक लाख रुपए जब्त

वाहन चेकिंग में 32 बोर की पिस्टल, दो मैगजीन और छह जिंदा राउंड मिले

ग्वालियर
ऑपरेशन ईगल के तहत इंदरगंज पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध 32 बोर की पिस्टल, दो मैगजीन और छह जिंदा राउंड के साथ गिरफ्तार किया है। पूछताछ में युवक ने पिस्टल फालका बाजार स्थित शान गन हाउस के संचालक से खरीदना बताया। इसके बाद पुलिस ने गन हाउस संचालक को भी गिरफ्तार कर उसके कब्जे से हथियार बिक्री से

मिले एक लाख रुपए जब्त किए हैं।

पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर अवैध हथियार रखने और खरीद-फरोख्त करने वालों के खिलाफ ऑपरेशन ईगल चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 4 सितंबर को इंदरगंज थाना पुलिस की टीम छप्पर वाला पुल पर रैडम वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सफेद रंग की टाटा हैरियर ईवी कार क्रमांक

एमपी07-एपी-9552 को रोककर जांच की गई। कार चालक पुलिस को देखकर घबरा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम गिरांज गुर्जर (35) निवासी स्पायर-1 एचजी ग्रुप, मुरार बताया। तलाशी लेने पर उसकी कमर में 32 बोर की देशी पिस्टल मिली। पिस्टल में खाली मैगजीन लगी थी, जबकि पेंट की जेब से एक भरी हुई मैगजीन बरामद हुई, जिसमें छह जिंदा राउंड थे। पुलिस ने पिस्टल, दोनों

मैगजीन, छह राउंड और कार जब्त कर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया।

चार माह पहले मरम्मत के लिए आई थी पिस्टल : पूछताछ में गिरांज ने पुलिस को बताया कि उसने यह पिस्टल, मैगजीन और राउंड फालका बाजार स्थित शान गन हाउस के संचालक अशोक कुमार अग्रवाल (68) से खरीदे थे। पुलिस ने अशोक अग्रवाल को हिरासत में

लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने बताया कि करीब चार माह पहले एक व्यक्ति 32 बोर की पिस्टल मरम्मत कराने के लिए दुकान पर लाया था। बाद में वह हथियार लेने नहीं आया। इसके बाद उसने कथित तौर पर वही पिस्टल, दो मैगजीन और छह राउंड गिरांज गुर्जर को दे दिए।

पुलिस के मुताबिक अशोक ने यह भी बताया कि हथियार बेचने से मिले रुपए दुकान में रखे हैं। उसकी निशानदेही पर

पुलिस ने शान गन हाउस से एक लाख रुपए जब्त किए। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले की जांच की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी- गिरांज गुर्जर (35), निवासी मुरार/बेहट क्षेत्र और अशोक कुमार अग्रवाल (68), निवासी शान गन हाउस, फालका बाजार।

जब्त की 32 बोर देशी पिस्टल, दो मैगजीन, छह जिंदा राउंड, टाटा हैरियर ईवी और एक लाख रुपए।

ऑपरेशन ईगल के तहत थाना इंदरगंज पुलिस की कार्यवाही

वारदात करने की नियत से खड़े एक बदमाश को पकड़कर पुलिस ने उससे 315 बोर का देशी कट्टा व 01 जिंदा राउण्ड किया जप्त

ग्वालियर, जीएनएस।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह (भापुसे) के निर्देश पर ग्वालियर पुलिस द्वारा ऑपरेशन ईगल के तहत अवैध हथियार रखने व खरीद फरोख्त करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में दिनांक 02.09.2026 को थाना इंदरगंज पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि एक

संदिग्ध लड़का अवैध हथियार लिए कोई वारदात करने की नियत से नाले के किनारे गोटे महादेव मंदिर के पास गैंडे वाली सड़क पर घूम रहा है। उक्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिस पर से अति. पुलिस अधीक्षक (मध्य/यातायात) श्री सुजावल जग्गा (भापुसे) द्वारा थाना इंदरगंज पुलिस को मुखबिर सूचना की तस्दीक कर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार सीएसपी इंदरगंज श्री रोबिन जैन के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी इंदरगंज निरीक्षक दीप्ती तोमर के द्वारा थाना बल की टीम को मुखबिर के बताये स्थान पर भेजा गया। पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर देखा तो गैंडे वाली सड़क पर मुखबिर के बताये हुलिया का एक संदिग्ध लड़का घूमता हुआ मिला, जिसे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ लिया

गया। पकड़े गये संदिग्ध की तलाशी लेने पर उसकी कमर में एक 315 बोर का देशी कट्टा खुरसा हुआ मिला एवं उसकी पेंट की जेब में 315 बोर का एक जिंदा राउंड रखा हुआ मिला। पकड़े गये संदिग्ध का नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम चाँद गोस्वामी पुत्र राजेश गोस्वामी उम्र. 20 साल निवासी बालाजीपुरम गुढागुढी का नाका थाना माधौगंज ग्वालियर का होना बताया।

पकड़े गये आरोपी का यह कृत्य धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का दण्डनीय पाया जाने से आरोपी के कब्जे से एक 315 बोर देशी कट्टा व 01 जिंदा राउंड विधिवत जप्त किया गया। आरोपी के खिलाफ थाना इंदरगंज में धारा 25/27 आर्म्स एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। गिरफ्तार आरोपी- चाँद गोस्वामी पुत्र राजेश गोस्वामी उम्र 20 साल निवासी बालाजीपुरम

गुढागुढी का नाका थाना माधौगंज ग्वालियर।
जप्त मशरूका- एक 315 बोर देशी कट्टा व 01 जिंदा राउंड जप्त।
सराहनीय भूमिका- थाना प्रभारी इंदरगंज निरी0 दीप्ती तोमर, प्र.आर0 रामबाबू सिंह, प्र.आर0 अवधेश सिंह सिकरवार, आर. जितेन्द्र सिंह यादव, आर. अर्जुन सिंह सिकरवार की सराहनीय भूमिका रही।

डबरा-ग्वालियर हाईवे किनारे 10 फीट गहरी खाई में मिला 5-6 दिन पुराना सड़ा-गला शव, इलाके में सनसनी

डबरा, जीएनएस।
डबरा-ग्वालियर नेशनल हाईवे-44 पर चांदपुर तिराहे के पास सड़क किनारे एक खेत में करीब 5-6 दिन पुराना सड़ा-गला अर्धनग्न शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। राहगीरों को खेत की ओर से दुर्गंध आने पर शव दिखाई दिया, जिसके बाद उन्होंने डबरा सिटी पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी संजय शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मृतक की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। शव की हालत काफी खराब होने के कारण उसकी

पहचान करना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है। मौके पर एक चप्पल भी मिली है। जिस स्थान पर शव मिला है, वहां मुख्य मार्ग के बाद सर्विस रोड है और सर्विस रोड से कुछ दूरी पर करीब 10 फीट गहरी खाई में शव पड़ा मिला। ऐसे में पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर दुर्घटना की संभावना से भी इनकार नहीं किया गया है, वहीं शव की स्थिति और घटनास्थल को देखते हुए अन्य संभावनाओं की भी जांच की जा रही है। डबरा सिटी पुलिस हाईवे और आसपास लगे पुराने षट्झडू

कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। साथ ही आसपास के थानों से गुमशुदा व्यक्तियों की जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि मृतक की पहचान हो सके। पुलिस द्वारा मार्ग कायम कर शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा। थाना प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि शव काफी पुराना है, इसलिए फिलहाल पहचान और मौत के कारण को लेकर स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता। पुलिस मामले में गहराई से जांच कर रही है और सभी संभावित पहलुओं पर सुराग जुटाए जा रहे हैं।

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर 8 को लगेगा मेगा कैंप

ग्वालियर, जीएनएस।
विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर गजरा राजा चिकित्सा महाविद्यालय एवं जयारोग्य चिकित्सालय समूह, ग्वालियर के फिजियोथेरेपी विभाग द्वारा 8 सितंबर को फिजियोथेरेपी मेगा कैंप का आयोजन किया जाएगा। कैंप का उद्देश्य लोगों को फिजियोथेरेपी के महत्व के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ शारीरिक समस्याओं के उपचार एवं पुनर्वास के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। फिजियोथेरेपी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वैभव चौबे ने

बताया कि मेगा कैंप का आयोजन फिजियोथेरेपी विभाग, 1000 बिस्तर न्यू जयारोग्य अस्पताल, सी-ब्लॉक, द्वितीय तल में किया जाएगा। कैंप का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि फिजियोथेरेपी शारीरिक दर्द से राहत दिलाने, मांसपेशियों की ताकत एवं शरीर की गतिशीलता बेहतर करने तथा चोट या बीमारी के बाद सामान्य गतिविधियों में लौटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कैंप के माध्यम से लोगों को फिजियोथेरेपी की उपयोगिता और आवश्यकता के बारे में

जागरूक किया जाएगा। विभागाध्यक्ष डॉ. वैभव चौबे ने विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर सभी को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन की शुभकामनाएं दीं।
?? स्थान- फिजियोथेरेपी विभाग, 1000 बिस्तर न्यू जयारोग्य अस्पताल, सी-ब्लॉक, द्वितीय तल, ग्वालियर
दिनांक- 8 सितंबर 2026
? समय- सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक
आयोजक- फिजियोथेरेपी विभाग, गजरा राजा चिकित्सा महाविद्यालय एवं जयारोग्य चिकित्सालय समूह, ग्वालियर

भारत भूषण तिवारी मौत प्रकरण में नया मोड़, पूर्व एसडीएम संजीत कुमार के विरुद्ध महामहिम राष्ट्रपति महोदयों से शिकायत

नई दिल्ली, जीएनएस।
बिहार भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र में भारत भूषण तिवारी की मौत से जुड़े मामले ने एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पूर्व स्वरू संजीत कुमार जो षट्झक बने हैं उसके ऊपर करवाई के लिए बिहार के मुख्य सचिव को ईमेल आया है और कि गयी करवाई कि सूचना सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के वकील को भी देने को कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिवक्ता ठाकुर संजीव कुमार सिंह ने राष्ट्रपति को शिकायत भेजे जाने की जानकारी देते हुए पूर्व एसडीएम जगदीशपुर एवं

वर्तमान डीसीएलआर, सुपौल सदर संजीत कुमार के विरुद्ध 1,400 करोड़ रुपये के कथित घोटाले तथा भारत भूषण तिवारी की कथित हत्या से संबंधित गंभीर आरोपों की जांच की मांग की है। शिकायत में एफआईआर संख्या 178/2026, थाना शाहपुर, जिला भोजपुर का हवाला देते हुए संजीत कुमार की भूमिका की निष्पक्ष जांच तथा जांच में आरोप प्रमाणित होने पर विधिसम्मत कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की गई है। वरिष्ठ अधिवक्ता ठाकुर संजीव कुमार सिंह ने कहा कि जून 2026 में 28 वर्षीय भारत भूषण तिवारी की पुलिस मुठभेड़ में मृत्यु के बाद

मामला विवादों में आया। परिजनों की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में मुठभेड़ की वास्तविकता पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया गया कि भारत भूषण तिवारी द्वारा हथियार छोड़कर आत्मसमर्पण की स्थिति में भी उन्हें कई गोलियां मारी गईं। इसी शिकायत के आधार पर शाहपुर थाने में एफआईआर दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। एफआईआर में तत्कालीन जगदीशपुर एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा, तत्कालीन शाहपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार मलाकर समेत अन्य पुलिसकर्मियों के नाम भी बताए गए हैं। मामले में लगाए गए आरोपों की सत्यता का अंतिम

निर्धारण जांच और न्यायिक प्रक्रिया से होना है।
संजीत कुमार की भूमिका जांच के घेरे में लाने की मांग
वरिष्ठ अधिवक्ता ने बताया कि घटना के समय संजीत कुमार जगदीशपुर में एसडीएम/एसडीओ के पद पर तैनात थे। घटना के बाद प्रशासनिक स्तर पर हुए बदलाव के बीच उन्हें जगदीशपुर से हटाकर बाद में डीसीएलआर, सुपौल सदर के पद पर नियुक्त किए जाने की जानकारी है। शिकायतकर्ता पक्ष का कहना है कि मामले में संजीत कुमार की कथित भूमिका सहित प्रत्येक पहलू की स्वतंत्र, पारदर्शी और निष्पक्ष जांच आवश्यक है,

ताकि किसी निर्दोष के साथ अन्याय न हो और यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।
1,400 करोड़ के कथित घोटाले का भी उठाया गया मुद्दा
उन्होंने बताया कि शिकायत में भारत भूषण तिवारी के मोबाइल फोन में कथित तौर पर 1,400 करोड़ रुपये के घोटाले से संबंधित महत्वपूर्ण साक्ष्य होने का दावा भी किया गया है। इस दावे को लेकर भी स्वतंत्र जांच की मांग की गई है। हालांकि, घोटाले से जुड़े इन आरोपों की सत्यता अभी जांच का विषय है।

फ़गौसेवा को मिलेगी नई पहचान—ग्वालियर में 500 बेड के कामधेनु गौ चिकित्सालय का संकल्प

ग्वालियर, जीएनएस।
ग्वालियर जन्माष्टमी के पावन पर पर गौसेवा को लेकर एक बड़ी पहल का संकल्प लिया गया है। जन्माष्टमी 2026 के मौके पर 'कामधेनु चिकित्सालय अभियान' के तहत ग्वालियर-शिवपुरी हाईवे के पास महर्षि गालव की पावन भूमि पर 500 बेड का गौ चिकित्सालय बनाने की योजना का प्रचार किया जा रहा है। इस अस्पताल में घायल और बीमार गौवंश के इलाज के साथ आधुनिक पशु चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य बताया गया है।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना मुरार पुलिस की त्वरित कार्यवाही

मुरार क्षेत्र से गायब हुई अपहृत नाबालिग बालिका को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर किया दस्तयाब

ग्वालियर, जीएनएस।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह (भापुसे) के निर्देशानुसार ग्वालियर जिले में गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु टीम बनाकर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। घटना का संक्षिप्त विवरण- फरियादिया पूर्वी (परिवर्तित नाम) निवासी मुरार ग्वालियर ने थाना मुरार में रिपोर्ट लेख कराई कि दिनांक 02.09.2026 को सुबह

अधोनस्थ सभी थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्र से गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु टीम बनाकर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। घटना का संक्षिप्त विवरण- फरियादिया पूर्वी (परिवर्तित नाम) निवासी मुरार ग्वालियर ने थाना मुरार में रिपोर्ट लेख कराई कि दिनांक 02.09.2026 को सुबह

उसकी बहन की लडकी खुशबू (परिवर्तित नाम) उम्र 13 साल घर से कॉपी किताब की दुकान पर प्रोजेक्ट सीट लेने गयी थी जो अभी तक वापस नहीं आई, मैंने व सभी लोगों ने उसकी तलाश आस पास व सभी रिश्तेदारी में की लेकिन कोई पता नहीं चला। मुझे शक है कि मेरी बहन की लडकी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर

कहीं ले गया है। फरियादिया की रिपोर्ट पर से थाना मुरार में अप0क0-450/26 धारा 137(2) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त नाबालिग बालिका के अपहृत होने की सूचना प्राप्त होने पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सीएसपी मुरार श्री संदीप बांगरे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मुरार

निरीक्षक मैना पटेल के द्वारा थाना बल की टीम को उक्त प्रकरण में अपहृत नाबालिग बालिका की सकुशल दस्तयाबी हेतु लगाया गया। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर सूचना पर से दिनांक 03.09.2026 को 24 घंटे के अंदर उक्त अपहृता बालिका को मुरार क्षेत्र से दस्तयाब किया गया। पुलिस द्वारा अपहृता के कथन उपरान्त वैधानिक कार्यवाही की

जाएगी। सराहनीय भूमिका: - उक्त नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब करने में थाना प्रभारी मुरार निरी0 मैना पटेल, उनी0 राहुल सिंह, प्र.आर0 जगजीत सिंह, प्र.आर0 नरेश राजावत, आर0 नीरज यादव, नरेश भोज, देवेंद्र साहू, आर0 सोनू (साइबर) की सराहनीय भूमिका रही।

चीनी नियंत्रण आदेश के संबंध में दी जानकारी

खाद्य विभाग के दल ने शक्कर व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की जाँच की

ग्वालियर, जीएनएस।

खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा गुरुवार को मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी चीनी नियंत्रण आदेश 2026 के पालन में शक्कर व्यवसायियों के प्रतिष्ठानों की जाँच की गई।

खाद्य विभाग की टीम सबसे पहला मैना वाली गली स्थित मुदित ट्रेडर्स के प्रतिष्ठान पर पहुंची जहां उनके प्रतिष्ठान और उसके सामने के परिसर में ही स्थित गोदाम में कुल मिलाकर 1253 क्विंटल शक्कर रखी पाई गई। इसी प्रकार दाल बाजार स्थित रामबाबू गोविंददास अग्रवाल के प्रतिष्ठान पर कुल 154 क्विंटल शक्कर होना पाई गई। दोनों ही प्रतिष्ठानों में निर्धारित सीमा 4000 क्विंटल के अंदर शक्कर होना पाई गई। खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा शक्कर व्यापारियों को चीनी नियंत्रण आदेश 2026 के प्रावधानों से अवगत कराया गया। शासन द्वारा 4000 क्विंटल तक शक्कर के भंडारण पर



लिमिट लगाई गई है एवं भंडारित शक्कर का विक्रय व्यापारी को क्रय दिनांक से 30 दिनों के अंदर करना होगा। सभी शक्कर व्यापारियों को हिदायत दी गई है कि वह अपने लाइसेंस में उल्लेखित व्यापार स्थल / गोदाम पर ही शक्कर का भंडारण करें एवं भारत सरकार के पोर्टल पर नियमित रूप से शक्कर के स्टॉक की जानकारी अद्यतन करते रहे। अधिकृत भंडारण स्थल के अतिरिक्त किसी अन्य स्थल पर अगर शक्कर का

भंडारण होना पाया गया तो उसको अनाधिकृत भंडारण मनाते हुए जप्त किया जाएगा व्यापारियों को नियमित रूप से अपना लेखा-जोखा अद्यतन रखने की भी निर्देश दिए हैं। खाद्य विभाग की उक्त कार्यवाही में जिला आपूर्ति नियंत्रक ग्वालियर श्री अरविंद सिंह भदोरिया, सहायक आपूर्ति अधिकारी सर्व श्री महावीर सिंह राठौर, श्री संजीव शर्मा, श्री सौरभ जैन, श्रीमती पूजा तोमर एवं श्रीमती सारिका कुशवाह सम्मिलित रही।

सफाई व्यवस्था में लापरवाही में जेडएचओ डब्ल्यूएचओ को नोटिस जारी

ग्वालियर, जीएनएस।

सफाई व्यवस्था में लापरवाही बरतने वाले वार्ड हेल्थ ऑफिसर एवं जेडएचओ को नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश पर नोटिस जारी किया गया है। वहीं पूर्व में जारी किए गए नोटिस का जवाब संतोष पूर्ण नहीं देने पर 2 कर्मचारियों का 3 दिन का वेतन काटा गया है, जबकि अनुपस्थित चल रहे अन्य कर्मचारियों को मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी श्री डॉ वैभव श्रीवास्तव ने नोटिस जारी किया है।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश पर मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव ने डब्ल्यूएचओ श्री अजीत करोसिया वार्ड 19 एवं जेडएचओ श्री देवेन्द्र कटारे वार्ड 28 को नोटिस जारी किया है। नोटिस में बताया गया है कि रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था में उनके द्वारा कर्मचारी उपलब्ध नहीं कराए जाते हैं। और ना ही स्वास्थ्य अधिकारी का कॉल उठाया जाता है। यह कृत्य घोर लापरवाही में आता है। इसके चलते दोनों को

नोटिस जारी किया गया है। इसके साथ ही विनियमित सफाई संरक्षक श्री अजय पुत्र मुन्ना को बिना बताए कार्य से अनुपस्थित रहने, श्री संजू पुत्र राजू को 21 जुलाई से बिना बताए अनुपस्थित रहने, श्री नरेश पुत्र श्री रामचरण को बिना बताए कार्य से अनुपस्थित रहने श्रीमती मीना पत्नी श्री दिलीप वार्ड 9 नियमित, श्री राजू पुत्र श्री किशन को पूर्व में दिए गए कारण बताओ नोटिस का जवाब संतोष पूर्ण नहीं दिए जाने पर 3 दिन का वेतन काटा गया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से प्रारंभ होगा 'सेवा संकल्प अभियान'

ग्वालियर, जीएनएस।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से प्रारंभ होगा 'सेवा संकल्प अभियान'। यह अभियान 17 अक्टूबर तक संचालित किया जायेगा। अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया

जायेगा। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने गूगल मीट के माध्यम से संभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों को करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने कहा है कि सम्पूर्ण देश में 17

सितम्बर से प्रारंभ होने वाला 'सेवा संकल्प अभियान' सम्पूर्ण प्रदेश की तरह ग्वालियर संभाग में भी पूरी गरिमा के साथ आयोजित हो, इसके लिये सभी विभागीय अधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधित गतिविधियों के संचालन की सभी तैयारियां पूर्ण कर लें।

बिजली श्रमिकों के बच्चों को छात्रवृत्ति आवेदन करने के लिये तिथि बढी

ग्वालियर, जीएनएस।

भारत सरकार के श्रम कल्याण संगठन, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा बीड़ी श्रमिकों के बच्चों के लिए पहली कक्षा से उच्च शिक्षा तक अध्ययन करने के लिए एक हजार से 25 हजार रुपए तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

श्रमिक परिवारों के जिन पात्र विद्यार्थियों ने अभी तक आवेदन नहीं किया है वे <https://scholarships.gov.in> पोर्टल पर जाकर अपना आवेदन कर सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर आवेदन

प्रक्रिया गत 01 जुलाई से जारी है। प्री-मैट्रिक (कक्षा 1 से 10 तक) आवेदन की अंतिम तिथि पूर्व में 31 अगस्त निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 30 सितम्बर कर दिया गया है। पोस्ट मैट्रिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिये अंतिम तिथि 31 अक्टूबर है।

योजना के नवीन प्रावधानों के अनुसार श्रमिक परिवारों के विद्यार्थी मैरिट आधारित तथा एक या एक से अधिक कल्याणकारी छात्रवृत्ति के लिए पात्र हैं। श्रमिकों के परिवार की आय सीमा 21 हजार रुपए प्रतिमाह अथवा 2 लाख 52 हजार वार्षिक तक निर्धारित है।

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर रेलवे स्टेशन जीर्णोद्धार प्रोजेक्ट के तहत किए जा रहे कार्य तत्परता से किए जाएं ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधायें उपलब्ध हो सकें। क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने गुरुवार को ग्वालियर रेलवे स्टेशन में चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन करते हुए यह बात कही।

सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने रेलवे अधिकारियों के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में रेलवे स्टेशन जीर्णोद्धार कार्य के तहत किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया

कार्य को तेजी के साथ पूर्ण करने के लिए निर्देश

रेलवे जीर्णोद्धार प्रोजेक्ट का सांसद कुशवाह ने किया अवलोकन



और अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर भाजपा के ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्री प्रेम सिंह राजपूत, रेलवे विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ एडीएम श्री अनिल बनवारिया, एसडीएम

श्री अतुल सिंह, एडिशनल कमिश्नर नगर निगम श्री प्रदीप तोमर सहित रेलवे विभाग के अधिकारी और निर्माण एजेंसी के अधिकारी उपस्थित थे। क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने

कहा कि रेलवे स्टेशन जीर्णोद्धार कार्यक्रम का कार्य चरणबद्ध तरीके से निर्धारित समय-सीमा में किया जाए। निर्माण कार्यों की निर्धारित सीमा से अधिक समय हो चुका है। शेष कार्य पूरी गति के साथ किए जाएं। उन्होंने किए जा रहे निर्माण कार्यों का भी अवलोकन किया। निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया गया है कि आगामी दिनों में किए जाने वाले कार्यों का चरणबद्ध कार्यक्रम तैयार कर प्रस्तुत करें। इसके साथ ही अन्य विभागों से किसी भी प्रकार की आवश्यकता हो तो समन्वय स्थापित कर कार्य तेजी से किया जाए।

सीवर सफाई मशीनरी का निगमायुक्त ने किया परीक्षण

ग्वालियर, जीएनएस।

शहर की सीवर सफाई व्यवस्था एवं सीवर मशीनरी का नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने निरीक्षण किया। इसके साथ ही निगमायुक्त ने क्षेत्र की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया, इस दौरान उन्हें गंदगी मिली। नगर निगम आयुक्त ने मौके पर ही कर्मचारियों की उपस्थिति चेक की, जिसमें कई कर्मचारी गायब मिले।

निगमायुक्त ने गायब कर्मचारियों एवं क्षेत्र के जेडएचओ एवं डब्ल्यूएचओ पर कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव, अधीक्षण यंत्री पीएचई श्री एसएल बाथम, कार्यपालन यंत्री श्री महेंद्र प्रसाद अग्रवाल, श्री शिशिर श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। शहर की सीवर संधारण व्यवस्था को नगर निगम धीरे-धीरे

टेकओवर कर रहा है। नगर निगम आयुक्त ने सीवर सफाई में उपयुक्त होने वाली मशीनों का स्वयं मौके पर खडे होकर परीक्षण किया। सिटी सेंटर स्थित इनकम टैक्स ऑफिस के पास सीवर लाइन को साफ कराने का डेमो देखा। इस दौरान सीवर सफाई में उपयुक्त की जाने वाली सुपर सकर, डिसिल्टिंग मशीन सहित अन्य मशीनों से मौके पर कार्य कराया गया। इस दौरान

निगमायुक्त ने मशीनों की कार्यक्षमता को परखा और सफाई में लगने वाले समय आदि की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने सिटी सेंटर क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें कई स्थानों पर गंदगी मिली, जिस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए मौके पर ही कर्मचारियों की उपस्थिति जांची। इस दौरान कई कर्मचारी गायब मिले, गायब कर्मचारियों पर

निगमायुक्त ने कार्रवाई के निर्देश दिए, साथ ही क्षेत्र के जेडएचओ एवं डब्ल्यूएचओ पर भी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मुख्य लाइन की ठेकेदार करें सफाई: नगर निगम आयुक्त ने सीवर संधारण व्यवस्था को देखने के बाद बाल भवन में सीवर संधारण कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं ठेकेदार जयंती सुपर की बैठक बुलाई।

भिण्ड-गोस्मी

के

समाचार

विज्ञापन

के लिए सम्पर्क करें

महेश चौधरी

98267-36233

Har Khushi Ki Pahali Pasand

SCAN TO SHOP

OUR NEW PRODUCT

श्रमसाधना

प्रॉक्सी शिक्षक, अनुपस्थिति और नशाखोरी जैसी विकृतियों पर सख्त पहरा जरूरी

शिक्षक दिवस : सम्मान से आगे आत्ममंथन

संपादकीय

चीन के भीमकाय बांध दुनिया के लिए 'वाटर-बम'

दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने के लिए चीन ने ऐसी जगह चुनी है, जो भू-राजनीतिक ही नहीं, भूकंपीय दृष्टि से भी बेहद संवेदनशील है। भारत की सीमा से कुछ ही दूरी पर तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी पर यह विशाल परियोजना आकार ले रही है। भारत में इसी नदी को ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है। बिजली उत्पादन की क्षमता के मामले में यह परियोजना चीन के श्री गॉर्जेज बांध से भी बड़ी होगी। लेकिन चिंता केवल इसके आकार को लेकर नहीं है। सबसे बड़ा सवाल उस क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिरता को लेकर है, जहां यह बांध और विशाल जलाशय बनाया जा रहा है। जलाशय में जमा पानी का दबाव भारत के पूर्वोत्तर और बांग्लादेश के करोड़ों लोगों के लिए संभावित खतरे को बढ़ा सकता है। चीन के अपने वैज्ञानिकों ने भी परियोजना स्थल को लेकर गंभीर चेतावनियां दी हैं। एक शोध में क्षेत्र की नाजुक भू-संरचना और भूकंप से संभावित खतरे की ओर ध्यान दिलाया गया है। वैज्ञानिकों ने जलाशय की ढलानों को मजबूत करने, सुरक्षा संरचनाएं बनाने और आपदा जोखिम कम करने के लिए परियोजना के कुछ हिस्सों के पुनर्रचना की जरूरत बताई है।

यह बांध ब्रह्मपुत्र के उस हिस्से पर बन रहा है, जहां नदी भारत में प्रवेश करने से पहले दुनिया की गहरी और लंबी घाटियों में से एक से होकर तीव्र ढलान के साथ नीचे उतरती है। यह पूरा क्षेत्र हिमालयी भूकंपीय पट्टी में आता है, जहां भारतीय और यूरेशियाई प्लेटों की टक्कर लगातार भूगर्भीय हलचल पैदा करती है। खतरा केवल भूकंप से बांध को होने वाले नुकसान तक सीमित नहीं है। विशाल जलाशय में जमा पानी का भार भी भूगर्भीय दबाव बढ़ा सकता है और कुछ परिस्थितियों में भूकंपीय गतिविधि को प्रभावित कर सकता है। चीन के जिपिंगपू बांध के संदर्भ में 2008 के सिचुआन भूकंप को लेकर भी वैज्ञानिकों ने ऐसी संभावना पर अध्ययन किया था। हालांकि इस संबंध में वैज्ञानिक मत एक नहीं हैं, लेकिन जोखिम को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ब्रह्मपुत्र पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा है। सिंचाई, मत्स्य पालन और लाखों लोगों की आजीविका इस नदी पर निर्भर है। बांग्लादेश के लिए भी यह मिठे पानी का प्रमुख स्रोत है। चीन द्वारा मेकांग नदी पर बनाए गए बड़े बांधों की तरह ब्रह्मपुत्र पर यह परियोजना भी नदी के प्राकृतिक प्रवाह और तलछट के निचले क्षेत्रों तक पहुंचने को प्रभावित कर सकती है। सबसे गंभीर स्थिति आपदा के समय पैदा हो सकती है। यदि किसी कारण से जलाशय से अचानक बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा गया या बांध को नुकसान पहुंचा, तो उसका असर भारत से लेकर बांग्लादेश के घनी आबादी वाले मैदानी इलाकों तक पहुंच सकता है। वर्ष 2025 में आए शक्तिशाली म्यांमार भूकंप ने भी दिखाया कि हिमालयी और आसपास का भूकंपीय क्षेत्र कितना परस्पर जुड़ा हुआ है। उसके झटके करीब एक हजार किलोमीटर दूर बैंकॉक तक महसूस किए गए थे। हिमालयी पारिस्थितिकी किसी राष्ट्रीय सीमा को नहीं मानती। इसलिए चीन की इस विशाल बांध परियोजना का असर भी केवल तिब्बत तक सीमित नहीं रहेगा। सवाल सिर्फ बिजली उत्पादन का नहीं, बल्कि पानी, पर्यावरण और करोड़ों लोगों की सुरक्षा का है। ऐसे में इस परियोजना से जुड़े भूगर्भीय और पर्यावरणीय जोखिमों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर निगरानी और पारदर्शिता जरूरी है।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी, गोंदिया (महाराष्ट्र)

हर वर्ष 5 सितंबर को भारत में शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन महान दार्शनिक, शिक्षाविद् और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती को समर्पित है। इस दिन विद्यार्थी अपने शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हैं, फूल भेंट करते हैं और विद्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। लेकिन शिक्षक दिवस का वास्तविक अर्थ केवल समारोह और अभिनंदन तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह अवसर शिक्षा व्यवस्था के आत्ममंथन का भी है। हमें यह विचार करना होगा कि जिस शिक्षक को राष्ट्र के भविष्य का निर्माता कहा जाता है, उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा, नैतिक जिम्मेदारी और पेशेवर जवाबदेही आज किस स्थिति में है।

भारत की प्राचीन गुरु-शिष्य परंपरा में गुरु केवल पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं था, बल्कि वह चरित्र, संस्कार, विवेक और जीवन-दृष्टि देने वाला मार्गदर्शक माना जाता था। इसलिए शिक्षक का आचरण केवल उसका निजी विषय नहीं हो सकता। उसका व्यवहार विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और आने वाली पीढ़ी के सामाजिक चरित्र को प्रभावित करता है। डिजिटल युग ने शिक्षा के साधनों को आधुनिक बनाया है, लेकिन यदि तकनीकी विकास के साथ नैतिकता और जवाबदेही मजबूत नहीं हुई तो शिक्षा की मूल भावना कमजोर पड़ सकती है।

भारत में शिक्षा को संवैधानिक और सामाजिक रूप से लोककल्याण का माध्यम माना गया है। संविधान का अनुच्छेद 21ए और शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009, 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित

करते हैं। शिक्षकों की नियुक्ति, योग्यता, जिम्मेदारियों और संस्थागत मानकों के लिए केंद्र और राज्यों के स्तर पर विभिन्न नियम लागू हैं। उच्च शिक्षा में भी नियामक संस्थाएं मौजूद हैं। इसके बावजूद केवल कानून और नियम बना देना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक बदलाव तभी आएगा, जब इनका निष्पक्ष, पारदर्शी और समान रूप से पालन हो।

आज शिक्षा व्यवस्था के सामने एक बड़ी चुनौती कुछ स्थानों पर शिक्षक पद की गरिमा और पेशेवर अनुशासन के बीच दिखाई देने वाला अंतर है। यह स्पष्ट है कि ऐसे उदाहरण पूरे शिक्षक समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। देश में लाखों शिक्षक कठिन परिस्थितियों में भी पूरी ईमानदारी और समर्पण से विद्यार्थियों का भविष्य गढ़ रहे हैं। लेकिन कुछ शिक्षकों की लापरवाही इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि बच्चों के लिए शिक्षक स्वयं एक आदर्श होता है।

यदि कोई शिक्षक नशे की हालत में विद्यालय पहुंचता है, परिसर में तंबाकू या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करता है या विद्यार्थियों के सामने अनुशासनहीन व्यवहार करता है तो यह केवल सेवा नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि बच्चों के सामने गलत सामाजिक संदेश भी है। इसी तरह विद्यालय में समय पर नहीं पहुंचना, निर्धारित समय से पहले चले जाना, शिक्षण कार्य में रुचि नहीं लेना या केवल कागजी खानापूर्ति करना शिक्षा के उद्देश्य को कमजोर करता है। ऐसे मामलों में कार्रवाई किसी व्यक्ति को अपमानित करने के लिए नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के शिक्षा के अधिकार और विद्यालय की गरिमा की रक्षा के लिए होनी चाहिए।

प्रॉक्सी शिक्षक सबसे गंभीर

सवाल

शिक्षा व्यवस्था में सबसे गंभीर चिंताओं में एक प्रॉक्सी शिक्षक की व्यवस्था है। यानी नियुक्त शिक्षक स्वयं विद्यालय में उपस्थित होने के बजाय किसी अन्य व्यक्ति, रिश्तेदार या कम वेतन वाले व्यक्ति से अपना काम करवाए। यदि किसी मामले में यह आरोप प्रमाणित होता है तो यह गंभीर प्रशासनिक, वित्तीय और नैतिक कदाचार है। सरकारी वेतन सार्वजनिक धन से दिया जाता है और उसके बदले शिक्षक से निर्धारित सेवा की अपेक्षा की जाती है। किसी दूसरे व्यक्ति से अपनी जगह काम करवाना विद्यार्थियों के शिक्षा के अधिकार और सार्वजनिक संसाधनों के प्रति जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

ऐसे मामलों में निष्पक्ष विभागीय जांच के बाद सेवा नियमों के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। परिस्थितियों के अनुसार अन्य कानूनी प्रावधान भी लागू हो सकते हैं। इसी तरह निजी ट्यूशन, विद्यालयी जिम्मेदारियों की उपेक्षा, स्थानीय राजनीति में अत्यधिक संलिप्तता या कक्षा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण से बचने जैसी प्रवृत्तियों पर भी प्रभावी निगरानी जरूरी है।

सम्मान और जवाबदेही दोनों जरूरी

हालांकि शिक्षा व्यवस्था का समाधान केवल कठोर दंड में नहीं है। शिक्षक का सम्मान और उसकी जवाबदेही साथ-साथ चलनी चाहिए। ईमानदार और उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मान, प्रशिक्षण, पदोन्नति और प्रोत्साहन मिले, वहीं प्रमाणित गंभीर कदाचार पर किसी भी स्तर पर संरक्षण नहीं होना चाहिए। अक्सर प्रशासनिक व्यवस्था की कमजोरी नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके असमान या कमजोर

क्रियान्वयन में दिखाई देती है। दूरदराज के क्षेत्रों में निरीक्षण की कमी, शिकायतों के निस्तारण में देरी, स्थानीय प्रभाव या प्रशासनिक उदासीनता जवाबदेही की व्यवस्था को कमजोर कर सकती है। इसलिए शिकायत प्रणाली स्वतंत्र, पारदर्शी और समयबद्ध होनी चाहिए। साथ ही किसी शिक्षक के खिलाफ शिकायत को स्वतः दोष सिद्ध नहीं माना जा सकता। शिकायत की निष्पक्ष जांच जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी आरोपित शिक्षक के साथ न्यायपूर्ण प्रक्रिया अपनाना भी है।

तकनीक बने निगरानी का मजबूत माध्यम

डिजिटल युग इस चुनौती का समाधान भी उपलब्ध कराता है। बायोमेट्रिक और स्थान आधारित उपस्थिति, विद्यालय निरीक्षण के डिजिटल रिकॉर्ड, ऑनलाइन शिकायत पोर्टल और वास्तविक समय की निगरानी जैसी व्यवस्थाएं पारदर्शिता बढ़ा सकती हैं। हालांकि तकनीक का उद्देश्य शिक्षक को संदेह की दृष्टि से देखना नहीं, बल्कि व्यवस्था में नियमितता और जवाबदेही सुनिश्चित करना होना चाहिए। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में इंटरनेट, बिजली और तकनीकी संसाधनों की सीमाओं को देखते हुए वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी जरूरी होंगी। भारत अंतरराष्ट्रीय अनुभवों से भी सीख सकता है। शिक्षक की गुणवत्ता केवल उसकी शैक्षणिक योग्यता से तय नहीं होती, बल्कि उसके पेशेवर अधिकार, कार्य परिस्थितियां, सामाजिक सम्मान और जिम्मेदारियां भी महत्वपूर्ण हैं। भारत को अपनी सामाजिक विविधता और संघीय व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रभावी शिक्षक जवाबदेही ढांचा विकसित करने की आवश्यकता है।

ज्ञान से बदलाव तक : एक शिक्षक की यात्रा

डॉ. विजय गर्ग

शिक्षक केवल किताबें पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं होता। वह सोच विकसित करता है, सवाल पूछना सिखाता है और विद्यार्थियों को अपने भविष्य का निर्माण करने के लिए तैयार करता है। एक सच्चा शिक्षक कक्षा की चारदीवारी से बाहर निकलकर समाज में भी बदलाव की राह बनाता है।

मेरे लिए शिक्षक होना केवल नौकरी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और जीवन-यात्रा रहा है। अध्यापन के वर्षों ने मुझे यह समझाया कि ज्ञान का वास्तविक मूल्य तभी है, जब वह किसी के जीवन को बेहतर बनाने में काम आए।

कक्षा से शुरू हुई यात्रा : शिक्षक का पहला दायित्व विद्यार्थी को केवल परीक्षा के लिए तैयार करना नहीं, बल्कि जीवन के लिए तैयार करना है। गणित पढ़ाते हुए मेरा प्रयास रहा कि विद्यार्थी केवल सूत्र याद न करें, बल्कि तर्क करना, समस्या को समझना और उसका समाधान तलाशना सीखें।

शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक हासिल करना नहीं है। उसका उद्देश्य ऐसी सोच विकसित करना है, जो बदलती परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की क्षमता दे।

शिक्षक से नेतृत्व तक : जब कोई शिक्षक प्रिंसिपल बनता है तो उसकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। अब उसे केवल विद्यार्थियों की नहीं, बल्कि पूरे विद्यालय की शैक्षणिक

संस्कृति की चिंता करनी होती है।

एक अच्छा विद्यालय वह नहीं, जहां केवल परीक्षा परिणाम बेहतर हों। अच्छा विद्यालय वह है, जहां विद्यार्थी सवाल पूछने से न डरें, शिक्षक नई शिक्षण पद्धतियां अपनाएं और प्रत्येक बच्चे को आगे बढ़ने का अवसर मिले। इसी सोच ने मुझे शिक्षा को तकनीक और नए साधनों से जोड़ने के लिए प्रेरित किया।

सेवानिवृत्ति के बाद भी जारी रही शिक्षा : सेवानिवृत्ति मेरे लिए शिक्षा से विदाई नहीं थी। बल्कि यह शिक्षा को नए रूप में आगे बढ़ाने का अवसर बनी। लेखन ज्ञान साझा करने का प्रभावी माध्यम बना। शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता और समसामयिक विषयों पर लिखना मेरी निरंतर यात्रा का हिस्सा बन गया।

मेरा विश्वास है कि यदि शिक्षक अपना ज्ञान केवल अपने तक सीमित रखता है तो उसकी क्षमता का बड़ा हिस्सा अप्रयुक्त रह जाता है। ज्ञान बांटने से ही उसका विस्तार होता है।

किताबें और लेखन बने ज्ञान के पुल : किताब लिखना मेरे लिए केवल लेखक बनने का प्रयास नहीं, बल्कि विद्यार्थियों और आम पाठकों तक ज्ञान को सरल भाषा में पहुंचाने की कोशिश है।

विज्ञान को कठिन शब्दावली से बाहर निकालकर आम पाठक तक पहुंचाना, शिक्षा की चुनौतियों पर विचार

करना और युवाओं को नए करियर तथा सीखने के अवसरों की जानकारी देना—ये सभी मेरे लिए अध्यापन का ही विस्तृत रूप हैं।

डिजिटल युग में शिक्षक की बदलती भूमिका : आज शिक्षक की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों के पास जानकारी की कमी नहीं है। इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता कुछ ही सेकंड में हजारों उत्तर उपलब्ध करा सकते हैं। लेकिन जानकारी और ज्ञान में अंतर है।

शिक्षक की भूमिका अब केवल उत्तर देने वाले की नहीं रही। वह विद्यार्थियों को यह समझाने वाला है कि सही सवाल क्या है, कौन-सी जानकारी विश्वसनीय है और उसका उपयोग किस तरह किया जाना चाहिए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में मानव शिक्षक की महत्ता कम होने के बजाय और बढ़ सकती है। मशीन जानकारी दे सकती है, लेकिन सोच, मूल्य, संवेदना और जिम्मेदारी का विकास मानवीय मार्गदर्शन से ही संभव है।

बदलाव की शुरुआत छोटी होती है : सामाजिक बदलाव हमेशा बड़े भाषणों से नहीं आता। कई बार इसकी शुरुआत शिक्षक के एक वाक्य, किसी विद्यार्थी को दिए गए एक अवसर या एक किताब से होती है।

यदि शिक्षक किसी विद्यार्थी में आत्मविश्वास पैदा करता है तो वह केवल एक बच्चे का जीवन नहीं बदल

रहा होता, बल्कि भविष्य के एक परिवार, संस्था और संभवतः पूरे समाज को प्रभावित कर रहा होता है।

यही शिक्षक की सबसे बड़ी ताकत है।

ज्ञान तभी सार्थक, जब बदलाव आए

शिक्षक के रूप में मेरी यात्रा ने मुझे एक सरल सत्य सिखाया है—ज्ञान अपने आप में मंजिल नहीं है। ज्ञान वह रोशनी है, जो बदलाव का रास्ता दिखाती है।

शिक्षक की वास्तविक सफलता उसके द्वारा पढ़ाए गए विद्यार्थियों की संख्या में नहीं, बल्कि इस बात में है कि उसने कितने मनो में सीखने की ललक, सोचने की क्षमता और समाज के लिए कुछ करने की भावना पैदा की।

इसलिए शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों को बधाई देने का दिन नहीं है। यह आत्ममंथन का अवसर भी है कि हमारी शिक्षा केवल जानकारी दे रही है या बदलाव भी पैदा कर रही है।

यदि हमारा ज्ञान किसी एक विद्यार्थी को बेहतर सोचने, बेहतर जीवन जीने और समाज को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करता है तो शिक्षक की यात्रा सफल है।

क्योंकि सच्चा शिक्षक कक्षा समाप्त होने के बाद भी पढ़ाता रहता है—अपने विचारों, अपने लेखन और अपने जीवन के माध्यम से।

डॉ. विजय गर्ग

सेवानिवृत्त प्राचार्य, शिक्षाविद् एवं शिक्षा स्तंभकार

घर देवकी-वसुदेव के, कृष्ण लिए अवतार।

मात यशोदा ने किया, पालन-पोषण प्यार ॥
तारे सबकी आँख के, गोकुल के हैं लाल ॥
माखन-मिश्री संग रचे, नटखट नए कमाल ॥
आततायी कंस का, अंत किया तत्काल ॥
ब्रज में छाया हर्ष फिर, गूँजे जय-जयकार ॥
चमत्कार कर नित नए, खत्म करे सब क्लेश ॥
प्रेम, धर्म और सत्य का, देते शुभ संदेश ॥
राधा अद्भुत प्रीत की, देती एक मिसाल ॥
मीरा कान्हा की हुई, प्रेमिका इक बेहाल ॥
बाँधे जब है द्रौपदी, कृष्ण को रक्षासूत्र ॥
कृष्ण सखा बन लाज रख, निभाया प्रेम-पवित्र ॥
अर्जुन के बन सारथी, दिया धर्म का ज्ञान ॥
दूर किए संशय सब, गीता का वरदान ॥
कर्म करो निष्काम तुम, यही कृष्ण का ज्ञान ॥
धर्म, प्रेम और सत्य से, ऊँचा हो इंसान ॥
कान्हा केवल नाम ना, जीवन का आधार ॥
प्रेम बाँटकर जगत में, कर दो सुख-संसार ॥
जन्माष्टमी के पर्व पर, यही रहे अरमान ॥
हर मन में कृष्ण बसे, हर घर बने महान ॥

डॉ. सत्यवान सौरभ

नंदलाला आ जाओ....।

कब तक हम भक्तों का,
इम्तिहान लोभे भगवान
अब तो आ जाओ, 'पुकार' रहा इंसान
हजारों तालों को तोड़ कर 'नंदलाला' आ जाओ।

हर जगह लूट मची है, कोई 'सुनता' नहीं है,
बेमानी व भ्रष्ट लोगों के 'शोर' में तुम भी अपना
जलवा दिखाओ इस छल-कपट, चोरी में दुनिया
फंसी हुई है, फिर क्यों नहीं आते, मेरे
'नंदलाला' आ जाओ।

कहीं आसमानी आफ़त, तो कहीं सूखी धरती
माँ, अमृत बूंदों का यह कैसा 'विकराल' स्वरूप
दिख रहा हैपाप व पापी इतने बढ़ गए हैं
तारणहार, फिर 'तुम' क्यों नहीं आते, मेरे
'नंदलाला' आ जाओ।

आज नफ़रत 'बांटते' हैं, बेईमानों के सौदागर,
इनसे अपना 'हिसाब' चुका जाओ।

कब से 'पुकार' रहे, भक्त कृष्ण-कन्हैया,
अब फिर इस 'धरती' पर नंदलाला आ जाओज ॥

लेखक - हरिहर सिंह चौहान

रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा गोरखपुर छावनी: उन्नौला दोहरीकृत एवं विद्युतीकृत रेलखंड का किया निरीक्षण एवं सफल गतिपरीक्षण

वाराणसी, जीएनएस।

रेल परिचालन में सुगमता, यात्री सुविधाओं, संरक्षा तथा आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर रेलवे पर विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्य निरंतर किए जा रहे हैं 7 इसी क्रम में वाराणसी मंडल के गोरखपुर छावनी ड्यूपनिग्रहवा रेलखंड के दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत गोरखपुर छावनी ड्यूप उन्नौला स्टेशनों के मध्य 7.64 किलोमीटर लंबे रेलखंड का कार्य पूर्ण होने के उपरांत 3 सितम्बर 2026 को रेल संरक्षा आयुक्त, पूर्वोत्तर परिमंडल लखनऊ, श्री ई. श्रीनिवास ने गोरखपुर छावनी ड्यूप उन्नौला रेलखंड का निरीक्षण किया 7 उक्त निरीक्षण के अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण अनुज मित्तल, मंडल रेल प्रबंधक



वाराणसी आशीष जैन, मंडल रेल प्रबंधक लखनऊ गौरव अग्रवाल सहित निर्माण संगठन, मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। रेल संरक्षा आयुक्त ने निरीक्षण की शुरुआत गोरखपुर छावनी स्टेशन से की 7 उन्होंने स्टेशन पर चल रहे यार्ड रीमॉडलिंग कार्यों, वीडियू पैन्ल, रिले रूम तथा उन्नौला छोर पर संरक्षा उपकरणों में किए गए बदलावों का निरीक्षण कर

अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की 7 उन्होंने प्वाइंट संख्या 221 का गहन निरीक्षण किया तथा नव विद्युतीकृत लाइन में प्रयुक्त विभिन्न फिटिंग्स की मानक स्थिति की जांच की 7 इसके साथ ही गोरखपुर छावनी स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्मों की ऊंचाई एवं ट्रैक के केंद्र से उनकी दूरी का मापन भी किया। इसके पश्चात रेल संरक्षा आयुक्त मोटर ट्रॉली से ब्लॉक

सेक्शन का निरीक्षण करते हुए आगे बढ़े उन्होंने किलोमीटर 390/13 पर स्थित स्विच एक्सटेंशन ज्वाइंट संख्या 48 का संरक्षा निरीक्षण किया 7 इसके बाद किलोमीटर 387/30 पर समपार संख्या 28 का दोहरीकृत रेलखंड के अनुरूप किए गए बदलावों का निरीक्षण किया तथा गेटमैन के संरक्षा ज्ञान भी परखा 7 इसी क्रम में उन्होंने कर्व संख्या 118 पर इंडेंट का मापन किया तथा ओवरहेड ट्रेक्शन प्रणाली की मानक स्थिति की जांच की 7 किलोमीटर 386/23 पर स्थित पुल संख्या दो पर फिटिंग्स एवं फाउंडेशन की जांच के साथ पुल के सापेक्ष ट्रैक की एक्ससेट्रिसिटी (केंद्र-विचलन) का मापन किया गया 7 इसके बाद उन्होंने किलोमीटर 385/15 पर स्थित

समपार संख्या 28 का गहन संरक्षा निरीक्षण किया तथा दोहरीकरण के अनुरूप किए गए बदलावों एवं ट्रैक टॉलरेंस (सहन-सीमा) की जांच की। मोटर ट्रॉली से गोरखपुर छावनी ड्यूप उन्नौला ब्लॉक सेक्शन के निरीक्षण के दौरान रेल संरक्षा आयुक्त ने रेलपथ, बैलास्ट, ओवरहेड ट्रेक्शन लाइन, सिग्नल पोस्ट एवं पोल्स की मानक स्थिति का परीक्षण किया 7 इसके अतिरिक्त मार्ग में पड़ने वाले पुलों/पुलियाओं, समपार फाटकों आदि का संरक्षा की दृष्टि से निरीक्षण किया 7 निरीक्षण के अंत में रेल संरक्षा आयुक्त ने ओ.एम.एस. स्पेशल ट्रेन से उन्नौला से गोरखपुर छावनी रेलखंड का अधिकतम निर्धारित गति पर सफलता पूर्वक स्पीड ट्रायल पूरा किया।

समाजसेवी अमित कुमार अग्रवाल बने अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के दतिया जिलाध्यक्ष

दतिया, जीएनएस।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी मध्य प्रदेश के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं अग्रणी समाजसेवी श्री अमित कुमार अग्रवाल को अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, मध्य प्रदेश इकाई का दतिया जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन श्री प्रदीप मित्तल, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कुलभूषण मित्तल तथा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं निर्देश में संगठन की मध्य प्रदेश इकाई द्वारा श्री अग्रवाल को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्री अमित कुमार अग्रवाल लंबे समय से



सामाजिक, सेवा, खेल एवं जनकल्याण से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। उनकी नियुक्ति पर दतिया जिले के अग्रबंधुओं एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं

दी हैं।

समाजजनों ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री अग्रवाल के नेतृत्व में दतिया जिले में संगठन का विस्तार होगा, समाज के युवाओं एवं वरिष्ठजनों की सहभागिता बढ़ेगी तथा सामाजिक एकता और सेवा के कार्यों को नई गति मिलेगी। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष श्री अमित कुमार अग्रवाल ने संगठन के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी अग्रबंधुओं को साथ लेकर -संगठन, सेवा और सामाजिक एकता- की भावना से कार्य करेंगे तथा दतिया जिले में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का हرسंभव प्रयास करेंगे।

गंदगी मिलने पर तीन अधिकारियों का काटा 7 दिन का वेतन

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी द्वारा गुरुवार को सुबह सिटी सेंटर स्थित एसबीआई बैंक के पास निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान मौके पर गंदगी का ढेर मिला इसके चलते अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने सफाई व्यवस्था में लापरवाही करने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई की है।

अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने गंदगी मिलने पर जेड एच ओ श्री कृष्ण पाल मेहता, वार्ड हेल्थ ऑफीसर श्री अजय चौहान

एवं सहायक वार्ड हेल्थ ऑफीसर श्री मिलन खरे के 7 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही विनियमित सफाई कर्मचारी श्री आकाश को सेवा समाप्ति के लिए कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। जबकि आउटसोर्स कर्मचारी श्री सचिन की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इसके साथ ही श्री पणू /रामसेवक एवं श्री आकाश/जगदीश वार्ड क्र, 30 नियमित सफाई संरक्षक लंबे समय से अनुपस्थित है। इन्हें भी नोटिस जारी किये गए।

बल्क अपशिष्ट उत्पादकों के प्रभावी प्रबंधन को लेकर महापौर से सीएसई टीम ने की चर्चा

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) की टीम ने महापौर डॉ. शोभा सिकरवार से मुलाकात कर ग्वालियर शहर में बल्क अपशिष्ट उत्पादकों के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की। बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित उपविधियों के प्रावधानों एवं उनके प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में चर्चा की गई। साथ ही महापौर की उपस्थिति में महापौर-इन-काउंसिल (एमआईसी) के सदस्यों एवं समस्त पार्षदगण के लिए उपविधियों से संबंधित कार्यशाला आयोजित करने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया।

संपत्तिकर रिकॉर्ड में हेरफेर कर फर्जी रसीद से कराया संपत्ति का पंजीयन, चार पर एफआईआर

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम की संपत्तिकर शाखा के रिकॉर्ड में कथित हेरफेर कर फर्जी संपत्तिकर रसीद के आधार पर संपत्ति का विक्रय पत्र पंजीयन कराने के मामले में थाना विश्वविद्यालय पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। नगर निगम की जांच के आधार पर पुलिस ने विक्रेता जयनारायण पुत्र स्वर्गीय उदय सिंह, क्रेता अशोक सिंह पुत्र नन्हे सिंह, एआरआई नरेन्द्र कुशवाहा तथा तत्कालीन एपीटीओ महेंद्र शर्मा के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटचिंत दस्तावेज, पद के दुरुपयोग, आपराधिक षड्यंत्र सहित अन्य सुसंगत धाराओं में कार्रवाई शुरू की है। शिकायतकर्ता सुरेश बनवानी,

निवासी टैगोर नगर, वार्ड-30 की मूल संपत्तिकर आईडी 1000255876 है। आरोप है कि उनकी संपत्ति के रिकॉर्ड में दूसरी आईडी 1000107294 तैयार कर गलत दस्तावेजों के आधार पर नाम दर्ज किया गया। ई-नगर पालिका से मिली लॉग रिपोर्ट के अनुसार 20 मार्च 2025 को शाम 4-17 से 5-41 बजे के बीच इस आईडी में स्वामी का नाम विजय पुत्र राजाराम पाल से बदलकर जयनारायण पुत्र स्वर्गीय उदय सिंह और कॉलोनी का नाम जागृति नगर-37 से 01 टैगोर नगर-30 किया गया। 28 मार्च 2025 को निर्मित क्षेत्रफल में भी बदलाव किया गया। रिकॉर्ड परिवर्तन

की लॉग में तत्कालीन एआरआई एवं कर संग्राहक नरेन्द्र कुशवाहा की यूजर आईडी तथा तत्कालीन एपीटीओ महेंद्र शर्मा की ईएनपी 1.0 यूजर आईडी का उल्लेख है। नगर निगम ने नरेन्द्र कुशवाहा को कारण बताओ नोटिस दिया था, लेकिन 31 जुलाई 2026 को मिला उनका जवाब संतोषजनक नहीं माना गया। निगम के अनुसार नरेन्द्र कुशवाहा को पहले ही निलंबित किया जा चुका है, जबकि महेंद्र शर्मा सेवानिवृत्त हैं। जांच में यह भी सामने आया कि जिस संपत्तिकर रसीद के आधार पर 15 मई 2025 को जयनारायण ने संपत्ति का विक्रय अशोक सिंह पुत्र नन्हे सिंह, निवासी यमुना नगर,

ग्वालियर के पक्ष में किया, वह रसीद नगर निगम कार्यालय से जारी ही नहीं हुई थी। नगर निगम ने मूल संपत्तिकर रसीद, कथित फर्जी रसीद, लेजर, विक्रय पत्र, टैक्स कलेक्टर व राजस्व निरीक्षक की रिपोर्ट और ई-नगर पालिका की प्रमाणित लॉग फाइल पुलिस को सौंपी है। नगर निगम के कार्यालय अधीक्षक संपत्तिकर को आयुक्त की 25 अगस्त 2026 की नोटशिट के जरिए सख्कृत आवेदन प्रस्तुत करने के लिए अधिकृत किया गया था। इसके बाद थाना विश्वविद्यालय में आवेदन दिया गया और अब पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अपर सीएमओ की देखरेख में ऑपरेशन थियेटर पर ऑपरेशन द्वारा गर्भवती महिला से जन्मा बच्चा

जालौन। गुरुवार के दिन अपर सीएमओ उमेश कुमार ने सीएचसी कालपी में स्थित ऑपरेशन थियेटर निरीक्षण किया सभी व्यवस्थाएं चुस्त दुरुस्त मिलने पर उन्होंने गर्भवती महिला बच्चे ऑपरेशन करने के लिए टीम को हरी झंडी दी गुरुवार को दोपहर उपरांत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में अपर सीएमओ की देखरेख में ऑपरेशन टीम महिला चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर गरिमा सचान चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शेख ओटी ईचार्ज अनिल कुमार आदि टीम गर्भवती महिला को ऑपरेशन कक्ष में ले जाकर सकुशल तरीके से ऑपरेशन कर महिला ने बच्चे को जन्म दिया अस्पताल में मौजूद परिवार के लोगों ने खुशी जाहिर कर टीम की भूर भूर सराहना की।

(शिक्षक दिवस पर विशेष : विद्यार्थियों के प्रति संवेदनशीलता, भारतीय दर्शन के प्रति समर्पण और विलक्षण प्रतिभा ने बनाया महान शिक्षक

शिक्षा को साधना मानते थे डॉ. राधाकृष्णन

मुकेश तिवारी

भारत में 5 सितंबर का दिन केवल एक महान दार्शनिक और शिक्षाविद् की जयंती नहीं है, बल्कि यह उस गुरु-परंपरा को सम्मान देने का अवसर है, जो समाज और राष्ट्र के निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। देश के प्रथम उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि एक शिक्षक अपनी विद्वता, संवेदनशीलता और विचारों के माध्यम से समाज को किस तरह नई दिशा दे सकता है। यही कारण है कि उनकी जयंती को देशभर में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को तमिलनाडु में हुआ था। उनका परिवार आर्थिक रूप से बहुत संपन्न नहीं था, लेकिन शिक्षा के प्रति वातावरण जरूर था। उनके पिता स्थानीय जमींदार के राजपुरोहित थे। प्रारंभिक शिक्षा उन्होंने अपने पिता की देखरेख में प्राप्त की। आगे चलकर मिशनरी शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई का अवसर मिला। इसी दौरान अंग्रेजी भाषा और पश्चिमी विचारों से उनका परिचय हुआ। पुस्तकों के अध्ययन के प्रति उनका लगाव इतना गहरा था कि अध्ययन धीरे-धीरे उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया।

राधाकृष्णन बचपन से ही मेधावी थे। उन्होंने अपनी पढ़ाई के दौरान लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मद्रास के क्रिश्चियन कॉलेज में अध्ययन के समय उनका झुकाव दर्शनशास्त्र की ओर बढ़ा। स्वामी विवेकानंद के विचारों ने उन्हें विशेष रूप से प्रभावित किया। उन्होंने दर्शनशास्त्र को केवल एक विषय के रूप में नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और जीवन-दृष्टि को समझने के माध्यम के रूप में अपनाया।

महज 20 वर्ष की आयु में उन्होंने 'द एथिक्स ऑफ द वेदांत'

विषय पर अपना महत्वपूर्ण शोध निबंध लिखा। उनके इस कार्य ने शिक्षकों को भी प्रभावित किया। उनके गुरु प्रोफेसर ए.जी. हाग ने उनकी तार्किक क्षमता, विषय की गहरी समझ और अंग्रेजी भाषा पर अधिकार की प्रशंसा की। यह वह दौर था, जब राधाकृष्णन की प्रतिभा ने उन्हें सामान्य विद्यार्थियों की भीड़ से अलग पहचान दिलानी शुरू कर दी थी।

गुरु के प्रति सम्मान, विचारों में स्वतंत्रता : राधाकृष्णन के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक थी—गुरु के प्रति गहरी श्रद्धा और विचारों में स्वतंत्रता। ईसाई मिशनरियों के शिक्षण संस्थानों में पढ़ते हुए जब उन्होंने भारतीय धर्म और परंपराओं को लेकर कई प्रकार की आलोचनाएं सुनीं तो वे इससे आहत हुए। लेकिन उन्होंने इसका उत्तर विवाद या विरोध से नहीं, बल्कि अध्ययन और तर्क के माध्यम से देने का निर्णय लिया।

उन्होंने भारतीय दर्शन का गहराई से अध्ययन किया और यह सिद्ध करने का प्रयास किया कि भारतीय चिंतन परंपरा किसी भी दृष्टि से पिछड़ी हुई नहीं है। आगे चलकर यही अध्ययन उनके जीवन का मिशन बन गया। उन्होंने भारतीय दर्शन को पश्चिमी जगत के सामने तार्किक और आधुनिक भाषा में प्रस्तुत किया।

राधाकृष्णन ने शिक्षक के रूप में अपने जीवन की शुरुआत की तो अध्यापन को केवल रोजगार नहीं माना। उनके लिए कक्षा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण की प्रयोगशाला थी। उनके व्याख्यानों में विषय की गहराई के साथ भाषा की सहजता और प्रभावशाली प्रस्तुति होती थी। विद्यार्थियों के प्रति उनका व्यवहार आत्मीय था। यही कारण था कि वे जल्द ही लोकप्रिय शिक्षक बन गए।

आर्थिक कठिनाइयों को करीब से देखा : राधाकृष्णन ने छात्र जीवन में आर्थिक कठिनाइयों



को करीब से देखा था। अपनी पढ़ाई के दौरान उन्होंने दयूशन पढ़ाकर अपनी जरूरतें पूरी कीं। यही अनुभव आगे चलकर उनके भीतर जरूरतमंद विद्यार्थियों के प्रति संवेदनशीलता का कारण बना।

उनके जीवन से जुड़ा एक प्रसंग उनकी मानवीय संवेदना को सामने लाता है। जब वे उपराष्ट्रपति और दिल्ली विश्वविद्यालय के उपकुलपति थे, तब दर्शनशास्त्र के एक विद्यार्थी ने आर्थिक अभाव के कारण उनकी पुस्तक खरीद पाने में असमर्थता व्यक्त करते हुए उन्हें पत्र लिखा। विद्यार्थी ने परीक्षा की तैयारी के लिए पुस्तक कुछ समय के लिए भेजने का अनुरोध किया। राधाकृष्णन ने छात्र की परिस्थिति समझी और पुस्तक उसके पास भेज दी। साथ ही उन्होंने कह दिया कि परीक्षा के बाद पुस्तक लौटाने की आवश्यकता नहीं है।

यह छोटा-सा प्रसंग बताता है कि ऊंचे पद पर पहुंचने के बाद भी उनके भीतर का शिक्षक और विद्यार्थी के प्रति उनका अपनापन कभी कम नहीं हुआ।

भारतीय संस्कृति के प्रति गहरा अनुराग : पश्चिमी शिक्षा और अंग्रेजी भाषा पर असाधारण अधिकार होने के बावजूद राधाकृष्णन भारतीय संस्कृति से गहराई से जुड़े रहे। उनका जीवन सादगीपूर्ण था। वे भारतीय वेशभूषा को प्राथमिकता देते थे और भारतीय परंपराओं का सम्मान करते थे। उनका मानना था कि आधुनिक ज्ञान ग्रहण करने का अर्थ अपनी जड़ों से दूर होना नहीं है।

स्वामी विवेकानंद के विचारों का उनके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा। विवेकानंद की तरह राधाकृष्णन भी भारतीय अध्यात्म और दर्शन को आधुनिक संदर्भों में समझाने के पक्षधर थे। उन्होंने अपने लेखन और व्याख्यानों के माध्यम से दुनिया को यह समझाने का प्रयास किया कि भारतीय दर्शन केवल धार्मिक विचारों का संग्रह नहीं, बल्कि जीवन को देखने की एक व्यापक दृष्टि है।

विश्वविद्यालयों के विकास में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका : राधाकृष्णन केवल शिक्षक और दार्शनिक ही नहीं, बल्कि कुशल प्रशासक भी थे। उन्होंने अनेक विश्वविद्यालयों में महत्वपूर्ण दायित्व संभाले। कुलपति के रूप में उन्होंने शिक्षा को केवल परीक्षा और डिग्री तक सीमित रखने के बजाय शोध और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

आंध्र विश्वविद्यालय के शुरुआती दौर में उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रयोगशालाओं और पुस्तकालयों के विकास पर विशेष ध्यान दिया। उनका मानना था कि विश्वविद्यालय केवल परीक्षा लेने वाली संस्था नहीं, बल्कि ज्ञान और शोध का केंद्र होना चाहिए।

उन्होंने अपने जीवन के चार दशक से अधिक समय शिक्षा के क्षेत्र को दिए। विदेश में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के दौरान भी उनका शिक्षण से जुड़ाव बना रहा। लंदन में भारत के उच्चायुक्त के रूप में कार्य करते हुए भी शिक्षा के प्रति उनका लगाव कम नहीं हुआ। इससे स्पष्ट होता है कि उनके लिए शिक्षक होना कोई पद नहीं, बल्कि जीवन की पहचान थी।

लेखन से दुनिया तक पहुंचा भारतीय दर्शन : राधाकृष्णन की लेखन प्रतिभा भी असाधारण थी। उन्होंने दर्शन, धर्म और भारतीय चिंतन पर अनेक महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखीं तथा कई

ग्रंथों का संपादन किया। उनकी चर्चित कृति 'इंडियन फिलॉसफी' ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई।

उनका लेखन केवल विद्वानों तक सीमित नहीं था। वे जटिल दार्शनिक विचारों को सरल और प्रभावशाली भाषा में प्रस्तुत करने की क्षमता रखते थे। उनकी वाणी में तर्क और आत्मिक संवेदना का अद्भुत संतुलन था। यही कारण था कि भारत के साथ-साथ एशिया और यूरोप के अनेक देशों में उनके व्याख्यानों को गंभीरता से सुना गया।

उनकी स्मरण शक्ति भी विलक्षण थी। एक अवसर पर किसी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाषण देने से पहले पत्रकारों ने उनसे भाषण की प्रति मांगी। टाइप की हुई प्रति उपलब्ध न होने पर उन्होंने अपना पूरा भाषण मौखिक रूप से बोलकर लिखवा दिया। बाद में पत्रकारों ने उपलब्ध प्रति से उसका मिलान किया तो दोनों लगभग पूरी तरह समान पाए गए। उनकी स्मरण शक्ति देखकर पत्रकार भी आश्चर्यचकित रह गए।

शिक्षक से देश के राष्ट्रपति तक : राधाकृष्णन की विद्वता और राष्ट्र के प्रति योगदान को देखते हुए उन्हें देश का उपराष्ट्रपति बनाया गया। इसके बाद 1962 में उन्होंने भारत के राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी संभाली। एक दार्शनिक और शिक्षक का देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचना भारतीय लोकतंत्र के लिए भी गौरव का विषय था।

राष्ट्रपति के रूप में उनका कार्यकाल आसान नहीं था। देश को चीन और पाकिस्तान के साथ युद्ध जैसी गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने अपने दार्शनिक चिंतन, संतुलित दृष्टिकोण और भारतीय मूल्यों को महत्व दिया।

राष्ट्रपति बनने के बाद उनके विद्यार्थियों और प्रशंसकों ने उनका

जन्मदिन मनाने की इच्छा व्यक्त की। इस पर उन्होंने कहा कि उनके जन्मदिन को व्यक्तिगत उत्सव के बजाय शिक्षकों के सम्मान के दिन के रूप में मनाया जाए। तभी से 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की परंपरा स्थापित हुई।

आज भी प्रासंगिक है उनका जीवन : राधाकृष्णन ने 1967 में राष्ट्रपति पद की दूसरी पारी के लिए स्वयं को उपलब्ध नहीं कराया। उन्होंने सार्वजनिक जीवन से अलग होकर भी अध्ययन और चिंतन से अपना रिश्ता बनाए रखा। 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में उनका निधन हुआ।

डॉ. राधाकृष्णन का जीवन हमें यह संदेश देता है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास करना या रोजगार हासिल करना नहीं है। शिक्षा व्यक्ति में विवेक, संवेदना, चरित्र और समाज के प्रति जिम्मेदारी पैदा करती है। उन्होंने अपने जीवन से यह साबित किया कि एक सच्चा शिक्षक अपने विद्यार्थियों के साथ-साथ पूरे समाज का निर्माण करता है।

आज जब शिक्षा व्यवस्था तेजी से बदल रही है और ज्ञान के साधन हमारे हाथों में उपलब्ध हैं, तब डॉ. राधाकृष्णन के विचार और भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं। उनके लिए शिक्षक ज्ञान देने वाला व्यक्ति भर नहीं था, बल्कि वह ऐसा मार्गदर्शक था जो विद्यार्थी को स्वयं सोचने, प्रश्न करने और सही रास्ता चुनने की क्षमता देता है।

शिक्षक दिवस पर डॉ. राधाकृष्णन को याद करना केवल उनकी जयंती मनाना नहीं, बल्कि उस शिक्षा-दृष्टि को सम्मान देना है जिसमें ज्ञान के साथ संस्कार, तर्क के साथ संवेदना और आधुनिकता के साथ अपनी संस्कृति से जुड़ाव शामिल है। यही उनके जीवन की सबसे बड़ी सीख और उनकी सबसे स्थायी विरासत है।

तकनीक से बदल रही चिकित्सा शिक्षा

डॉ. विजय गर्ग

पीढ़ियों से भारत में चिकित्सा शिक्षा का संबंध मुख्य रूप से मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों और पारंपरिक एमबीबीएस पाठ्यक्रम से रहा है। डॉक्टरों को मुख्यतः शरीर रचना विज्ञान, शरीर क्रिया विज्ञान, औषधि विज्ञान और चिकित्सकीय अभ्यास का प्रशिक्षण दिया जाता रहा है। यह व्यवस्था आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं का भविष्य तेजी से बहुविषयक होता जा रहा है।

आज चिकित्सा जगत को केवल डॉक्टर ही नहीं आकार दे रहे हैं। इंजीनियर, कंप्यूटर वैज्ञानिक, जीवविज्ञानी, डेटा विश्लेषक और शोधकर्ता भी मानवता की सबसे कठिन स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का समाधान खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

यहीं भारत के प्रमुख संस्थान, विशेष रूप से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और भारतीय विज्ञान संस्थान, चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य नवाचार के क्षेत्र में एक नया परिवर्तन लाने लगे हैं।

जब चिकित्सा मिलती है तकनीक से

आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएँ आज तकनीक पर काफी हद तक निर्भर हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता चिकित्सा छवियों के विश्लेषण में सहायता कर सकती है, उन्नत सेंसर रोगियों की स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी कर सकते हैं, रोबोट सर्जनों की सहायता कर सकते हैं और बायोमेडिकल उपकरण रोगों के निदान तथा उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

ऐसी तकनीकों के विकास के लिए पारंपरिक चिकित्सा शिक्षा से आगे की विशेषज्ञता की

आवश्यकता होती है।

आईआईटी और आईआईएससी इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान, जीवविज्ञान, भौतिक विज्ञान तथा अन्य विषयों के छात्रों और शोधकर्ताओं को एक साथ लाते हैं। स्वास्थ्य संबंधी अनुसंधान में उनकी बढ़ती भागीदारी ऐसा वातावरण तैयार कर रही है, जहाँ चिकित्सा और तकनीक मिलकर नई संभावनाएँ पैदा कर सकें।

इसका परिणाम पेशेवरों की एक ऐसी नई पीढ़ी के रूप में सामने आ रहा है, जो आवश्यक नहीं कि डॉक्टर बने, लेकिन फिर भी स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग नई संभावनाओं का सेतु बायोमेडिकल इंजीनियरिंग चिकित्सा और तकनीक के बीच

एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में उभर रही है। शोधकर्ता सस्ते निदान उपकरणों, कृत्रिम अंगों, चिकित्सा सेंसरों, इमेजिंग तकनीकों और अन्य स्वास्थ्य उपकरणों पर कार्य कर रहे हैं। भारत के सामने स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कई विशिष्ट चुनौतियाँ हैं। विशाल जनसंख्या, चिकित्सा सुविधाओं तक असमान पहुँच और किफायती उपचार की आवश्यकता इनमें प्रमुख हैं। इंजीनियरों और वैज्ञानिकों द्वारा विकसित नवाचार ऐसे समाधान प्रदान कर सकते हैं जो कम लागत वाले और अधिक लोगों तक पहुँचने योग्य हों।

बहुविषयक वातावरण में प्रशिक्षित छात्र तकनीकी संभावनाओं के साथ-साथ वास्तविक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को भी बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। इसलिए डॉक्टरों, अस्पतालों,

इंजीनियरों और वैज्ञानिकों के बीच सहयोग लगातार अधिक महत्वपूर्ण होता जा रहा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वास्थ्य सेवाओं का भविष्य : कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक अन्य ऐसा क्षेत्र है, जहाँ आईआईटी और आईआईएससी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। एआई का उपयोग चिकित्सा छवियों के विश्लेषण, बड़े स्वास्थ्य डेटा के अध्ययन, रोगों की शुरुआती पहचान और स्वास्थ्य पेशेवरों की सहायता के लिए किया जा रहा है।

हालाँकि, केवल तकनीक चिकित्सा विशेषज्ञता और मानवीय निर्णय का स्थान नहीं ले सकती। भविष्य डॉक्टरों और तकनीकी विशेषज्ञों के सहयोग में निहित है। चिकित्सा विशेषज्ञ रोगियों और बीमारियों को समझते हैं, जबकि इंजीनियर और कंप्यूटर वैज्ञानिक

ऐसे उपकरण विकसित कर सकते हैं जो निदान, उपचार और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुलभ बना सकें। यह सहयोग धीरे-धीरे भविष्य के स्वास्थ्य पेशेवरों के प्रशिक्षण के तरीके को भी बदल सकता है।

पारंपरिक कक्षा से आगे बढ़ता अनुसंधान : आईआईटी और आईआईएससी जैसे संस्थानों का एक महत्वपूर्ण योगदान अनुसंधान पर उनका विशेष जोर है। यहाँ छात्र विभिन्न विषयों के बीच कार्य कर सकते हैं और उन समस्याओं पर शोध कर सकते हैं जो किसी एक विषय की सीमाओं में नहीं समातीं। स्वास्थ्य से जुड़ी किसी समस्या के समाधान के लिए जीवविज्ञान, इंजीनियरिंग, गणित, कंप्यूटिंग और चिकित्सकीय विज्ञान—सभी की आवश्यकता हो सकती है।

5 सितंबर शिक्षक दिवस पर विशेष आलेख।

राष्ट्र निर्माता शिक्षक का सम्मान एक ही दिन क्यों?

डॉ. अशोक कुमार भार्गव,
पूर्व आईएएस, मप्र



शिक्षक दिवस राष्ट्र निर्माता शिक्षकों के नमन का दिन है जो ज्ञान की रोशनी से विद्यार्थियों को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। जो अपने विद्यार्थियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए निस्वार्थ भाव से अपना वर्तमान समर्पित कर देते हैं। वे जो वर्तमान पीढ़ी के व्यक्तित्व को परिष्कृत कर राष्ट्र के भविष्य को स्वर्णिम बनाते हैं। वे शिक्षक जो जीवन संग्राम में आने वाली चुनौतियों का सामना करने की सामर्थ्य अपने विद्यार्थियों में सृजित करते हैं। इन्हीं शिक्षकों की गरिमा और यश को गौरान्वित करने का दिवस है शिक्षक दिवस। शिक्षकों के श्रेष्ठतम कार्यों का मूल्यांकन कर उन्हें सार्वजनिक रूप से अलंकृत करने का संकल्प दिवस है शिक्षक दिवस।

निसंदेह किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव राष्ट्र निर्माता शिक्षक ही होते हैं। इसीलिए भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षकों को परमेश्वर से भी पहले सम्मान दिया गया है क्योंकि शिक्षक अपने विद्यार्थियों के हृदय में शुभ संस्कारों के सर्जक के नाते ब्रह्मा हैं। उनके रक्षण वर्धन के नाते विष्णु और अशुभ संस्कारों, अन्तरविकारों को नष्ट करने के कारण शिव है अर्थात् ब्रह्मा विष्णु और महेश के समन्वित स्वरूप का दूसरा नाम ही गुरु है। जिस प्रकार कुम्हार बाहर से घड़े को ठोकता पीटता है तथा भीतर से हाथ का सहारा देकर खोट निकालकर लोकोपयोगी घट का निर्माण करता है। उसी प्रकार आदर्श शिक्षक भीतर से अपनी सहानुभूति का सहारा देता हुआ ऊपर से आवश्यकतानुसार चोट मारकर गढ़ गढ़ कर अपने शिष्य का शुभ निर्माण करता है। कबीरदासजी कहते हैं - गुरु कुम्हार सिख कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढै खोट। अंतर हाथ सहारे दै, बाहर- बाहर चोट। ऐसे सुनिर्मित विद्यार्थी ही राष्ट्र के भावी कर्णधार और राष्ट्र निर्माता

होते हैं। यदि शिक्षक अपने छात्रों का निर्माण ठीक से न करें तो उसकी गलती राष्ट्र के भविष्य में झलकती है। महर्षि अरविंद ने ठीक ही कहा है अध्यापक राष्ट्र की संस्कृति के चतुरमाली होते हैं। वे संस्कारों की जड़ों में खाद देते हैं और अपने श्रम से उन्हें सींच सींच कर महाप्राण शक्तियां बनाते हैं। इसलिए विद्यार्थियों को भी यह समझ लेना चाहिए की - यह तन विष की बैलरी गुरु अमरित की खान, सीस दिए जो गुरु मिले तो भी सस्ता जान।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन महान दार्शनिक, शिक्षक और भारत के द्वितीय राष्ट्रपति थे। इन्होंने कबीरदास की भांति शिक्षकों की महिमा को मंडित करने के लिए अपने प्रशंसकों द्वारा उनका जन्मदिवस सार्वजनिक रूप से मनाने के आग्रह पर अपना जन्मदिवस शिक्षकों के नाम समर्पित कर दिया। और 1962 से प्रति वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा। किसी भी राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों की भूमिका अप्रतिम होती है जैसा कि चाणक्य ने स्पष्ट कहा है % शिक्षक कभी साधारण नहीं होता प्रलय और निर्माण उसकी गोद में पलते हैं। डॉ. राधाकृष्णन कहते हैं कि शिक्षक एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को बौद्धिक परंपराएं और तकनीकी कौशल पहुंचाने का केंद्र है। हेनरी ब्रक्स एडम्स का कहना है कि % एक शिक्षक अनंत काल को प्रभावित करता है, वह कभी नहीं बता सकता कि उसका प्रभाव कहां रुकता है। %

डॉ. भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा को सामाजिक बदलाव, अधिकार प्राप्ति और मुक्ति का सबसे शक्तिशाली साधन माना। उनकी दृष्टि में शिक्षक राष्ट्र रूपी रथ का सारथी है नौकरी करने वाला मास्टर नहीं। शिक्षा केवल किताबों से ही नहीं मिलती, वह शिक्षक के आचरण और व्यवहार से भी मिलती है। इसलिए शिक्षक में करुणा, समता और बंधुता का भाव होना चाहिए। वह प्रज्ञावान शीलवान और लोकतांत्रिक मूल्यों में आस्था रखने वाला योग्य शिक्षक



होना चाहिए। जिस धरा पर कबीर ने गुरु की महिमा को गोविंद से पहले ये कह कर मंडित किया कि % हरि रूठै गुरु ठौर है, गुरु रूठै नहीं ठौर, उसी धरा पर क्या शिक्षकों की गरिमा का सम्मान सिर्फ एक दिन होना चाहिए? क्या ये संभव नहीं है कि शिक्षक जो न केवल राष्ट्र निर्माता चरित्र निर्माता हैं उसकी महिमा का सम्मान निरंतर करें क्योंकि राष्ट्र का निर्माण सिर्फ एक दिन में नहीं होता है, वरन उसके लिए अनवरत साधना होती है और शिक्षक भी किसी एक दिन में ही अपने विद्यार्थियों को संपूर्ण नहीं बना देते, वरन वे प्रतिदिन इस दिशा में समर्पण भाव से क्रियाशील रहते हैं। अतः ऐसे आदर्श शिक्षक ही वर्ष में सिर्फ एक दिन नहीं वरन प्रतिदिन प्रतिपल प्रतिक्षण सम्मान के पात्र होते हैं।

भारत की सांस्कृतिक चेतना में शिक्षा और समाज का शाश्वत संबंध रहा है। सभ्यता के प्रारंभ से ही वैविध्यपूर्ण भारतीय समाज में धर्म, दर्शन और शिक्षा राष्ट्र की बुनियाद रही है। नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला भारतीय शिक्षा पद्धति के गौरवशाली बौद्धिक स्मारक हैं। प्राचीन शिक्षा पद्धति पर वेदों, उपनिषदों, पुराणों आदि के जीवन दर्शन की स्पष्ट छाप थी। भारतीय अपनी शिक्षा समाप्त कर गुरु की आज्ञा से गृहस्थ आश्रम में प्रविष्ट होता था समाज अभिनंदन करता था। गुरु और शिष्य का आदर्शात्मक संबंध अलौकिक था। नागर के कोलाहल से दूर गुरुकुल व्यवस्था में संघर्ष से मुक्त बौद्धिक शक्ति, चरित्र बल और आध्यात्मिक चेतना से संपन्न हो कर सांसारिक जीवन में उनका

प्रवेश अर्थ धर्म काम और मोक्ष के पुरुषार्थ की सिद्धि में सहायक होकर पूर्ण मनुष्य का निर्माण करने वाली थी। किन्तु मध्यकालीन भारतीय समाज में शिक्षा प्रदान करने के प्रमुख माध्यम मकतबा और मदरसा बने रहे जिसके कारण शिक्षा का क्षेत्र बहुत सीमित हो गया। इसके पश्चात आए अंग्रेजों ने शिक्षा के रहे सहे अस्तित्व को भी विकृत कर दिया। अंग्रेज भारतीयों को वैज्ञानिक एवं तकनीकी शिक्षा देने के पक्ष में नहीं थे। सन 1835 में मैकाले ने कहा कि हमें एक ऐसा वर्ग पैदा करना चाहिए जो हमारे और करोड़ों लोगों के बीच जिन पर हम शासन करते हैं, दुभाषिये का काम कर सके। ऐसे व्यक्तियों का वर्ग जो रंग और रक्त से भारतीय हो किन्तु रुचियों, विचारों, नैतिकता और बुद्धि में अंग्रेज हों।

आजादी के बाद देश में शिक्षा के बहु आयामी विकास के लिए अनेक स्तरों पर पहल की गई, किन्तु मुख्य प्राथमिकता गुणात्मक शिक्षा के स्थान पर परिमाणात्मक विकास पर केंद्रित होने से शिक्षा का चरित्र उपनिवेशवादी बना रहा। आधुनिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत की आत्मा और भारतीयता की उद्घोषणा है। यह ऐसी प्रथम शिक्षा नीति है जो भारतीय व्यक्तियों के विचारों के अनुकूल है। हमारे होनहार बच्चों में ज्ञान विज्ञान के मूल स्रोत को जागृत करना इस नीति का मुख्य ध्येय है। यह नीति अंग्रेजों की उस साजिश को भी समाप्त करने का कार्य करती है जिसमें उन्होंने भाषा के आधार पर भारतीयों में हीन भावना पैदा करने का प्रयास किया था। यह नीति नागरिक आकांक्षाओं का प्रतिबिंब और भविष्य के भारत की नींव है।

शिक्षक को राष्ट्र निर्माता कहने भर से राष्ट्र का निर्माण नहीं होता जब तक कि शिक्षक को अपने दायित्व निर्वहन में पूरी आजादी न दी जाए। शिक्षकों के सामाजिक आर्थिक शैक्षणिक उत्थान के बिना राष्ट्र का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। शिक्षक यदि तनाव से मुक्त आनन्द से युक्त और व्यर्थ की गुलामी से मुक्त है, राजनीति के विषैले वातावरण से ग्रस्त नहीं है, प्रशासन के अनावश्यक हस्तक्षेप से मुक्त है तभी वह शिक्षा को सही अर्थों में घटित कर सकता है। अन्यथा वह अपने शिक्षकीय दायित्व के साथ न्याय नहीं कर सकेगा। यह कटु सत्य है कि शिक्षक यदि भूखा है तो समझिए ज्ञान का सागर भी सूखा है।

मेरी दृष्टि में शिक्षकीय दायित्व बहुत पवित्र किन्तु कठिन है। गगन को चूमती हुई अट्टलिकाओं को निर्मित करना सरल है। उफनती नदी के वेग को नियंत्रित कर नहरें निर्मित करना भी सरल है। चट्टानों के सीने चोर कर सड़कें बनाना भी सरल है, किन्तु राष्ट्र के लिए एक आदर्श और उपयोगी पीढ़ी को निर्मित करना बहुत कठिन है। और यह कठिन दायित्व हमारे प्रथम गुरु पूज्य माता और पिता के बाद शिक्षक निभा रहे हैं। यह सही है कि हमारे हाथों की उंगलियां एक जैसी नहीं होती। किसी तालाब में कुछ गंदी मछलियां हों तो वह पूरा तालाब गंदा नहीं हो जाता। शिक्षकीय समुदाय संख्या की दृष्टि से बहुत विशाल है। हो सकता है कि कुछ शिक्षक अपने निजी स्वार्थ के लिए राजनीति के विषैले माहौल में रहते हों। कुछ शिक्षक निष्ठा से अपने दायित्व का निर्वहन भी नहीं करते। समय पर विद्यालय नहीं आते। कुछ साधारण शिक्षक हैं जो पढ़ाते हैं। कुछ श्रेष्ठ शिक्षक हैं जो व्याख्या करते हैं और कुछ उत्कृष्ट शिक्षक भी हैं जो छात्रों के मन में सीखने की जिज्ञासा पैदा करते हैं। अतः हम समग्र शिक्षक समुदाय को लांछित नहीं कर सकते। वे शिक्षक जो अपने कर्तव्यों के प्रति उदासीन और लापरवाह हैं उनके विरुद्ध कार्रवाई के पर्याप्त प्रावधानों

से ठीक किया जा सकता है। सोशल मीडिया, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के चमत्कारी दौर में भी शिक्षक अनेक चुनौतियों और विषमताओं के बावजूद ज्ञान की रश्मियों से अपने विद्यार्थियों को आलोकित करा। उनमें जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों से जूझने का जीवट सृजित कर रहे हैं। उनके चिंतन के क्षितिज का विस्तार कर उनके विचारों के वैभव को निखार रहे हैं। तभी तो यह देश आगे बढ़ रहा है प्रगति कर रहा है। आज हमारे देश में विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर उपलब्धियों के जो नित नए आयाम स्थापित हो रहे हैं उसकी बुनियाद में कहीं न कहीं हमारे शिक्षकों का समर्पण भी है। तो ऐसी स्थिति में शिक्षकों का सम्मान सिर्फ एक दिन ही क्यों वर्ष के बाकी 364 दिन क्यों नहीं होना चाहिए। हमारे देश में ऐसे आदर्श शिक्षकों की कमी नहीं है जिनका जीवन प्रेरणा और प्रोत्साहन का प्रकाश स्तम्भ है। एक विद्यालय तीन विद्यार्थी विलंब से पहुंचे, तब तक प्रार्थना समाप्त हो चुकी थी। स्कूल के प्राचार्य ने इन चारों को स्कूल के मैदान में तीन चक्कर लगाने की सजा दी। तीनों विद्यार्थी प्राचार्य के आदेश के पालन में मैदान के चक्कर लगाना शुरू कर दिए। दो चक्कर लगाने के बाद उन्होंने देखा कि उनके पीछे पीछे प्राचार्य भी हांफते हुए दौड़ रहे हैं। छात्रों ने रुककर प्राचार्य से पूछा सर आप किस लिए दौड़ रहे हैं? हम आपके आदेश का पालन कर तो रहे हैं। तब प्राचार्य ने जो उत्तर दिया वह उनके आदर्श चरित्र की पराकाष्ठा का है। प्राचार्य ने कहा कि मेरी तमाम कोशिशों के बाद भी यदि मैं छात्रों को अनुशासन और समय की महत्ता नहीं समझा सका तो इसका अर्थ ये हुआ कि मेरे प्रयासों में ही कहीं त्रुटि है। इसलिए जितनी गलती आपकी है उससे ज्यादा मेरी गलती है। चूँकि मुझे कोई सजा नहीं दे सकता इसलिए मैंने अपनी सजा खुद ही तय कर दी है और जब तक मैं इस स्कूल के विद्यार्थियों को समय का अनुशासन नहीं समझा पाऊंगा तब तक मैं भी उनके साथ मैदान के चक्कर लगाऊंगा।

प्रगति विद्यापीठ दूसरे और ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल तीसरे स्थान पर; महापौर ने दिलाया 'न गंदगी करेंगे, न करने देंगे' का संकल्प

ग्वालियर ग्लोरी स्कूल ने जीती स्वच्छ विद्यालय प्रतियोगिता

ग्वालियर जीएनएस

स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत नगर निगम की ओर से आयोजित स्वच्छ विद्यालय प्रतियोगिता-2026 में ग्वालियर ग्लोरी स्कूल ने बाजी मारी। प्रगति विद्यापीठ दूसरे और ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल तीसरे स्थान पर रहा। प्रतियोगिता में शहर के 22 प्रमुख विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विजेता विद्यार्थियों को मंच पर पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों के बीच वाद-विवाद और प्रश्नोत्तरी

प्रतियोगिताएं हुईं। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद परिणाम घोषित किए गए। कार्यक्रम में शिखा डांस अकादमी के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जबकि कैरियर लॉन्च एकेडमी के विद्यार्थियों ने स्वयंसेवक के रूप में व्यवस्थाएं संभालीं।

बच्चों से शुरू होगी स्वच्छता की मुहिम : मुख्य अतिथि महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों के माध्यम से स्वच्छता में जनभागीदारी बढ़ाना है। उन्होंने बच्चों से कहा कि जिस तरह वे अपने घर को साफ रखते हैं, उसी तरह शहर को भी स्वच्छ रखें। 'न



हम गंदगी करेंगे और न किसी को करने देंगे' का संकल्प लेकर ही ग्वालियर को देश में स्वच्छता के मामले में आगे लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों में

स्वच्छता की आदत और संस्कार विकसित करना जरूरी है। विद्यार्थी लोगों को जागरूक करने के साथ बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए पौधरोपण में भी भागीदारी

करें।

कचरा अलग करें, शिकायत ऐप पर दर्ज करें : निगमायुक्त अभिषेक चौधरी ने विद्यार्थियों से गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने तथा डालने की अपील की। उन्होंने स्वच्छ ग्वालियर ऐप की जानकारी देते हुए बताया कि नागरिक स्वच्छता संबंधी शिकायतें ऐप पर दर्ज करा सकते हैं, जिनका 48 घंटे में समाधान किया जाएगा।

अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने कहा कि स्वच्छ विद्यालय अभियान एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा। विद्यार्थियों में स्वच्छता की स्थायी आदत विकसित करने

के लिए पूरे वर्ष विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

कचरे से तैयार हुई ट्रॉफियां : नगर निगम द्वारा एकत्रित कचरे से फाइन आर्ट कॉलेज के विद्यार्थियों ने विजेता स्कूलों के लिए ट्रॉफियां तैयार कीं। कार्यक्रम में वेस्ट मटेरियल से विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका महापौर ने अवलोकन कर बच्चों की सराहना की। कार्यक्रम में निर्णायक पूजा गर्ग, श्याम बिहारी ओझा, प्रो. डॉ. इति रॉय चौधरी और प्रेमलता भसीन सहित नगर निगम के अधिकारी, शिक्षक, स्वच्छता एंबेसडर और अन्य लोग मौजूद रहे।

भाजपा नगर अध्यक्ष ने साथियों के साथ बूथों में बैठकर योजनाओं की जानकारी देकर बूथों को मजबूत करने के लिए ताकत झोंकी

जालौन, जीएनएस।

बीते दिन शक्ति केंद्र प्रवासी की अध्यक्षता में तथा नगर अध्यक्ष एवं स्थानीय पदाधिकारी कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में नगर के विभिन्न बूथों में शक्ति केंद्र की बैठक अलग-अलग मोहल्लों में करके बूथों को मजबूत करने के लिए हुंकार भरी।

बताते चलें कि मोहल्ला भट्टीपुरा स्थित सात बूथों की बैठक मोहल्ला उदनपुरा स्थित मकान पर तथा हरीगंज स्थित सात बूथों एवं

कागजीपुरा स्थित सात बूथों की बैठक जल शक्ति कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह प्रतिनिधि अरविंद सिंह शक्ति केंद्र प्रवासी अध्यक्ष की देखरेख में नगर अध्यक्ष सुबोध द्विवेदी आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में बैठक आयोजित कर केंद्र तथा प्रदेश सरकार के द्वारा चलाई जा रही जनकल्याण योजनाओं को मौजूद मतदाताओं को बिंदु बार जानकारी देकर जागरूक किया तथा केंद्र शक्ति



के बैठक के बारे में जानकारी देकर प्रत्येक बूथों को मजबूत करने के

लिए पार्टी के जिम्मेदारों ने अनोखी पहल की साथ में बूथ अध्यक्ष पूर्व

मंडल उपाध्यक्ष आदि लोगों की कार्य शैली को देखते हुए जिम्मेदार लोगों को माल्यार्पण कर उत्साहवर्धन किया नगर अध्यक्ष ने अवगत कराया की प्रदेश के आवाहन पर बूथों को मजबूत करने के लिए बैठक आयोजित की जा रही है बैठकों का सिलसिला बराबर जारी रहेगा मौजूद लोगों ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया बैठक में उपस्थित लोगों में पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष भारत सिंह

यादव मंडल उपाध्यक्ष संजय सविता सराफा मंडल अरविंद उर्फ कल्लू सोनी मंडल उपाध्यक्ष राकेश पुरवार देवेन्द्र गुप्ता विनोद खत्री आकाश द्विवेदी उर्फ छोटू विधायक रविंद्र पुरवार भगवान दास खटीक संजय वर्मा संजय सोनकर अशोक गोस्वामी कल्लू कुरैशी मलखान प्रजापति अमित पुरवार ब्रह्मा सिंह यादव पप्पू पुरवार धर्मेन्द्र पाल धर्मेन्द्र हरि कृष्णा रावत राजेंद्र साहू आदि दर्जनों लोग मौजूद थे।

बीना स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा भगवान भरोसे!

बीना, जीएनएस।

बीना रेलवे स्टेशन क्षेत्र के लाखों यात्रियों की आवाजाही का प्रमुख केंद्र है। देश के विभिन्न दिशाओं में जाने वाली ट्रेनों के लिए यह स्टेशन महत्वपूर्ण पड़ाव है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री अपने परिवार, बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगों और अशक्त व्यक्तियों के साथ यहां पहुंचते हैं। कई बार ट्रेनों के इंतजार में यात्रियों को देर रात तक प्लेटफार्म पर रुकना पड़ता है। ऐसे में स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन वर्तमान स्थिति इसके ठीक विपरीत दिखाई दे रही है।

बीना स्टेशन के प्लेटफार्मों पर आवारा पशुओं और सांडों की बेखौफ चहलकदमी यात्रियों के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। स्थिति यह है कि देर रात जब यात्री अपने परिवार के साथ भोजन कर रहे होते हैं या ट्रेन के इंतजार में प्लेटफार्म पर विश्राम कर रहे होते हैं, उसी समय सांडों के झुंड प्लेटफार्म पर घूमते नजर आते हैं।

हाल ही की रात बीना स्टेशन पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब यात्री भोजन कर रहे थे और अचानक एक सांड ने उनकी ओर हमला कर दिया। यात्रियों ने सजगता दिखाते हुए किसी तरह सांड को भगाने का प्रयास किया। कुछ समय के लिए खतरा टला, लेकिन सांड प्लेटफार्म से दूर जाने

प्लेटफार्मों पर सांडों का आतंक, रात में परिवार सहित यात्रियों की जान पर मंडरा रहा खतरा

के बजाय वहीं खड़ा रहा। यदि यात्रियों की सजगता में थोड़ी भी चूक होती तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। खासकर रात के समय प्लेटफार्म पर सो रहे यात्रियों, छोटे बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांग यात्रियों के लिए यह स्थिति कितनी भयावह हो सकती है, इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं की बात, लेकिन यात्रियों की सुरक्षा का क्या?

एक ओर केंद्र सरकार रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाने, उन्हें एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से लैस करने और यात्री सुविधाओं के विस्तार पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, वहीं दूसरी ओर बीना जैसे महत्वपूर्ण स्टेशन पर यात्रियों को आवारा सांडों से अपनी जान बचाने की चिंता करनी पड़ रही है।

सवाल यह है कि स्टेशन का सौंदर्यीकरण और आधुनिक निर्माण तभी सार्थक होगा, जब वहां आने वाला यात्री स्वयं को सुरक्षित महसूस करे। चमचमाते भवन, आधुनिक सुविधाएं और करोड़ों रुपये के निर्माण कार्य अपनी जगह हैं, लेकिन यदि प्लेटफार्म पर यात्रियों की जान ही सुरक्षित नहीं है तो इन व्यवस्थाओं का औचित्य क्या रह जाता है?

एक भी दिन ऐसा नहीं जब यात्री न हों भयभीत!

यात्रियों का कहना है कि बीना स्टेशन के प्लेटफार्मों पर पशुओं और सांडों की आवाजाही कोई एक-दो दिन की समस्या नहीं है। लगभग रोजाना सांडों और आवारा पशुओं की चहल-कदमी यात्रियों के लिए खतरा बनी रहती है। यात्रियों को आशंका रहती है कि कहीं अचानक कोई सांड हमला न कर दे।

सबसे बड़ा खतरा उन यात्रियों के लिए है जो अपने छोटे बच्चों के साथ यात्रा करते हैं। इसके अलावा बुजुर्ग, दिव्यांग और अशक्त यात्रियों के लिए अचानक सामने आए सांड से बचना बेहद मुश्किल हो सकता है। किसी दिन यदि सांड के हमले से कोई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया या कोई बड़ी जनहानि हो गई, तब क्या रेलवे प्रशासन जागेगा?

आखिर जिम्मेदार कौन? रेल प्रशासन से यह सवाल पूछा जाना स्वाभाविक है कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार व्यवस्था आखिर कहाँ है? यदि प्लेटफार्म पर लगातार सांड और आवारा पशु प्रवेश कर रहे हैं तो उन्हें रोकने के लिए प्रभावी इंतजाम क्यों नहीं किए जा रहे हैं?

22 फीट ऊंची मटकी फोड़कर बरसाना बांके बिहारी टोली बनी विजेता

ग्वालियर, जीएनएस।

मुरार जन्माष्टमी के पावन अवसर पर हिन्दू उत्सव आयोजन समिति, मुरार द्वारा अग्रसेन चौक, सदर बाजार मुरार में आयोजित चतुर्थ वर्ष की मटकी फोड़ प्रतियोगिता भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों और ढोल-नगाड़ों के बीच ग्वालियर महानगर के विभिन्न क्षेत्रों से आई गोविंदाओं की टोलियों ने उत्साह और जोश के साथ जोर आजमाइश की। प्रतियोगिता में बरसाना बांके बिहारी टोली, केदारपुर बनवासी छात्रावास के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 28 सेकंड में 21 फीट ऊंची मानव पिरामिड बनाकर मटकी फोड़ दी और प्रथम स्थान प्राप्त कर 51 हजार रुपये का पुरस्कार अपने नाम किया। बच्चों के इस साहसिक प्रदर्शन पर पूरा आयोजन स्थल तालियों और जयकारों से गूँज उठा। प्रतियोगिता में प्रथम

पुरस्कार 51 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 5100 रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 3100 रुपये प्रदान किया गया। समिति के सचिव अमित सेठी ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर अधिकतम सात गोविंदा टोलियों का चयन किया गया था। कार्यक्रम का स्वागत भाषण संयोजक अनुराग कुशवाहा ने दिया। प्रतियोगिता के दौरान छोटे-छोटे बच्चे राधा-कृष्ण के स्वरूप में विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। बड़ी संख्या में दर्शकों की सुरक्षा के भी विशेष इंतजाम किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश बीज विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल रहे। अध्यक्षता स्वामी श्री ऋषभदेवानंद, आदर्श गौशाला लालटिपारा ने की। विशिष्ट अतिथियों में उदयवीर सिंह गुर्जर, उपाध्यक्ष मेला प्राधिकरण, डॉ. आर.एस. तोमर, कुलपति

अमिटी विश्वविद्यालय, संजय मंगल, चैंबर कार्यकारिणी सदस्य तथा बृजेश दुबे, ठेला व्यवसायी संघ संरक्षक उपस्थित रहे। गोविंदा टोलियों के संरक्षक के रूप में शिव शक्ति आइस फैक्ट्री, पार्षद ममता अरविंद शर्मा, द रिटेल क्लॉथ संगठन, खेरिज किराना व्यापार संघ मुरार, द्रव्य रियलिटी, एडमायर बाय नवकृति सहित अन्य संस्थाओं का सहयोग रहा। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में मनोज राठौर, प्रमोद अग्रवाल, अनिल जैन, प्रतीक जैन एवं बालकिशन गुप्ता शामिल रहे। इस अवसर पर समिति के संरक्षक नेमीचंद जैन, अध्यक्ष ओम प्रकाश झा, सह सचिव अनिल बनबारीया, सह संयोजक मनीष अग्रवाल, योगेश राठौर, शत्रुघ्न अग्रवाल, शेखी अरोड़ा, नितिन अग्रवाल सहित समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।



करैरा नगर परिषद में अत्यवस्थाओं पर महिला पार्षदों का अनोखा विरोध

करैरा नगर परिषद की व्यवस्थाओं को लेकर दो महिला पार्षदों ने अनोखा विरोध जताते हुए सीएमओ और इंजीनियर के 'लापता' होने के पोस्टर कार्यालय के अलग-अलग कक्षों में लगाए। महिला पार्षद श्रीमति शालिनी सोनी एवं महिला पार्षद श्रीमति खुशबू यादव का आरोप है कि अधिकारी-कर्मचारी समय पर कार्यालय में मौजूद नहीं रहते। कई कक्षों पर ताले लगे मिलने से नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए।

शिक्षक केवल पढ़ाते नहीं, जीवन गढ़ते हैं, शिक्षा के साथ योग से बनता है स्वस्थ, संस्कारी और सशक्त भविष्य

गुना, जीएनएस।

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों को सम्मानित करने का दिन नहीं, बल्कि उस महान गुरु-परंपरा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जो एक बच्चे को केवल किताबों का ज्ञान नहीं देती, बल्कि उसे जीवन जीने की कला, अनुशासन, संस्कार और सही-गलत के बीच अंतर समझने की क्षमता भी प्रदान करती है। शिक्षक समाज के उन महत्वपूर्ण स्तंभों में हैं, जो आने वाली पीढ़ी के व्यक्तित्व और राष्ट्र के भविष्य को आकार देते हैं। योगाचार्य महेश पाल ने बताया कि भारत में प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के महान दार्शनिक, शिक्षाविद् और भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। भारत में शिक्षक

दिवस मनाने की परंपरा 1962 से शुरू हुई। डॉ. राधाकृष्णन के विद्यार्थियों और शुभचिंतकों ने जब उनका जन्मदिन मनाने की इच्छा व्यक्त की, तो उन्होंने व्यक्तिगत जन्मदिन समारोह के बजाय इस दिन को शिक्षकों के सम्मान के लिए समर्पित करने की इच्छा व्यक्त की आज शिक्षा का अर्थ केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं रह गया है। बच्चे को एक अच्छा इंसान बनाना, उसमें आत्मविश्वास पैदा करना, उसकी रचनात्मकता को विकसित करना और उसे जिम्मेदार नागरिक बनाना भी शिक्षा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। शिक्षक बच्चे की प्रतिभा को पहचानने वाला व्यक्ति है। कई बार माता-पिता से पहले शिक्षक यह समझ लेते हैं कि बच्चा किस क्षेत्र में बेहतर कर सकता है। शिक्षक उसे प्रोत्साहित करता है,



असफलता के बाद दोबारा प्रयास करना सिखाता है और जीवन में अनुशासन का महत्व समझाता है। भारत की गुरु-शिष्य परंपरा में शिक्षक को इसलिए विशेष स्थान दिया गया है, क्योंकि गुरु केवल सूचना नहीं देता, बल्कि दृष्टि देता है। यही कारण है कि शिक्षक को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला माना जाता है। आज बच्चों पर पढ़ाई, प्रतियोगिता, स्क्रीन टाइम और बदलती जीवनशैली का प्रभाव दिखाई देता है। ऐसे समय में

शिक्षा के साथ योग को जोड़ना बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य, एकाग्रता, अनुशासन और मानसिक संतुलन के लिए उपयोगी हो सकता है। योग बच्चों को अपने शरीर और मन के प्रति जागरूक बनाता है। नियमित रूप से सरल योगासन, प्राणायाम और ध्यान जैसी गतिविधियों को उम्र के अनुरूप एवं प्रशिक्षित मार्गदर्शन में कराया जाए तो बच्चों में शरीर के प्रति जागरूकता, नियमितता और एकाग्रता जैसी अच्छी आदतों को विकसित करने में मदद मिल सकती है। यही सोच योगाचार्य महेश पाल के कार्यों में भी दिखाई देती है।

योग शिक्षा को बच्चों और युवाओं से जोड़ते हुए उनका विशेष जोर इस बात पर रहा है कि योग को केवल बीमारी के समय करने वाली गतिविधि न समझकर जीवनशैली और शिक्षा का हिस्सा बनाया जाए।

खेल के रूप में योगासन को बढ़ावा देने के साथ बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, एकाग्रता और सकारात्मक सोच विकसित करना भी आवश्यक है।

योगाचार्य महेश पाल का मानना है कि शिक्षा बच्चे के मस्तिष्क को विकसित करती है, जबकि योग शरीर, मन और भावनाओं के बीच संतुलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दोनों का उद्देश्य एक ही है—बच्चे को बेहतर और सक्षम इंसान बनाना। एक शिक्षक बच्चे को ज्ञान के माध्यम से आगे बढ़ाता है और योग शिक्षक उसे अपने शरीर एवं मन को समझने की दिशा देता है। दोनों की भूमिका का अंतिम उद्देश्य व्यक्ति का विकास ही है। जब स्कूल में पढ़ाई के साथ खेल, योग, ध्यान, नैतिक शिक्षा और जीवन-कौशल को भी

स्थान मिलता है, तब बच्चे का विकास केवल अंक आधारित नहीं रहता, बल्कि वह स्वस्थ शरीर, स्थिर मन और बेहतर व्यक्तित्व की ओर बढ़ता है। शिक्षक दिवस केवल स्कूल और शिक्षकों का कार्यक्रम बनकर न रह जाए। अभिभावकों को भी इस अवसर पर यह संकल्प लेना चाहिए कि वे बच्चों पर केवल अंकों का दबाव न बनाएं, बल्कि उनके स्वास्थ्य, भावनाओं, रुचियों और व्यक्तित्व को भी समझें। बच्चे को प्रतिदिन कुछ समय शारीरिक गतिविधि, खेल या उम्र के अनुसार योग के लिए देना, पर्याप्त नींद, संतुलित आहार और स्क्रीन टाइम में संयम रखना उसकी दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं।

आनंद धाम आश्रम में संतों के सानिध्य में मनाया गया श्रीविष्णु स्वामी आचार्य जयंती महोत्सव

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी) वृन्दावन। चामुंडा मोड़ स्थित आनंद धाम आश्रम (ठाकुरश्री शेषनारायण मन्दिर) में श्रीविष्णु स्वामी आचार्य जयंती महोत्सव अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ कई प्रख्यात संतों एवं धर्माचार्यों की सन्निधि में सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम प्रातः 07 बजे विष्णु स्वामी अखाड़ा (ज्ञान गुदड़ी) से आनंद धाम आश्रम (श्री शेषनारायण मंदिर) चामुंडा मोड़, परिक्रमा मार्ग तक गाजे-बाजे के मध्य भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें असंख्य भक्त-श्रद्धालु शामिल हुए। तत्पश्चात बागेश्वर धाम सरकार के परम् लाड़ले आचार्य रोहित रिखारिया के द्वारा सुन्दर काण्ड का संगीतमय सामूहिक पाठ किया गया। साथ ही वृहद संत-

विद्वत् सम्मेलन का आयोजन संपन्न हुआ। जिसमें विचार व्यक्त करते हुए कांगड़ा पीठाधीश्वर श्रीमज्जगदुरु शंकराचार्य स्वामी शारदानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि जगदुरु श्रीविष्णु स्वामी आचार्य ने अपने आराध्य प्रभु के दर्शन पाने के लिए अन्न-जल का त्याग कर दिया था। ऐसी दिव्य विभूतियों से ही पृथ्वी पर धर्म व अध्यात्म का अस्तित्व है।

आनंदधाम आश्रम (ठाकुरश्री शेषनारायण मन्दिर) के संस्थापक अध्यक्ष श्रीमज्जगदुरु विष्णुस्वामी विजयराम देवाचार्य भैयाजी महाराज (बल्लभगढ़ वाले) एवं कलाधारी बगीची आश्रम के महंत जयराम दास महाराज ने कहा कि जगदुरु श्रीविष्णु स्वामी आचार्य स्वयं भगवान की दिव्य विभूति होने



के कारण बाल्यकाल से ही इनमें अलौकिक गुणों के आभास दिखाई देने लगे थे।

पुराणाचार्य डॉ. मनोज मोहन शास्त्री एवं आचार्य विपिन बापू महाराज ने कहा कि जगदुरु श्रीविष्णु स्वामी आचार्य ने

यज्ञोपवीत संस्कार के कुछ समय पश्चात् ही गुरुश्री त्रिलोचनाचार्य महाराज से दीक्षा ली। साथ ही अन्य गुरुश्री शुकदेवजी महाराज व न्यासजी महाराज के गुरुस्व में वेद वेदान्त, पुराणादि ग्रन्थों का ज्ञान प्राप्त कर लिया था।

प्रख्यात साहित्यकार - यूपी रत्न- डॉ. गोपाल चतुर्वेदी एवं महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. आदित्यानंद गिरि महाराज ने कहा कि आनंदधाम आश्रम (ठाकुरश्री शेषनारायण मन्दिर) श्रीविष्णु स्वामी सम्प्रदाय का प्रमुख केंद्र है। जिसके द्वारा संत सेवा, गौसेवा एवं निर्धन-निराश्रित आदि के लिए जो सेवा प्रकल्प संचालित हो रहे हैं, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, वो कम है।

महोत्सव में गोरेदाऊजी मन्दिर के महंत प्रह्लाद दास महाराज, महंत किशोरी शरण महाराज, डॉ. हरिप्रसाद द्विवेदी, आचार्य राजेश किशोर गोस्वामी, महंत रामदेव चतुर्वेदी, सन्त प्रियाशरण भक्तमाली, महंत श्याम सुन्दरदास महाराज, आचार्य पुरुषोत्तम शास्त्री

(शास्त्रार्थ महारथी), महंत जगन्नाथ दास शास्त्री, महंत सनत कुमार दास, महामंडलेश्वर योगी नवल गिरि महाराज, डॉ. राधाकांत शर्मा, पण्डित श्याम सुन्दर ब्रजवासी, आचार्य नेत्रपाल शास्त्री, महंत शिवदत्त प्रपन्नाचार्य महाराज, महंत श्यामदास महाराज, सन्त जुगल दास महाराज, पुंडरीक कृष्ण त्रिपाठी, आचार्य भूति कृष्ण महाराज (श्रीशुकाचार्य पीठ), महंत रमणरेती दास महाराज, स्वामी गंगानन्द महाराज (कोतवाल), वरिष्ठ पत्रकार भोलेश्वर उपमन्यु आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन डॉ. मनोज मोहन शास्त्री ने किया। महोत्सव का समापन संत, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ हुआ।

राम मंदिर ट्रस्ट में ट्रस्टी बनने के बाद पहली बार फिरोजाबाद पहुंची डॉ. निर्मला यादव

फिरोजाबाद, जीएनएस।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में न्यासी (ट्रस्टी) बनाए जाने के बाद डॉ. निर्मला यादव शुरुवार को पहली बार फिरोजाबाद पहुंचीं। महात्मा गांधी कॉलेज पहुंचने पर उन्होंने पंडित बाल बिहारी लाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में राम मंदिर ट्रस्ट में मिली जिम्मेदारी, महिलाओं की भूमिका और मंदिर से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी।

डॉ. निर्मला यादव ने बताया कि उन्होंने ट्रस्टी बनाए जाने के लिए कोई आवेदन नहीं किया था।



उनके पास ट्रस्ट की ओर से व्हाट्सएप संदेश आया था। इसमें उन्हें न्यासी बनाए जाने की जानकारी देते हुए सहमति देने और बायोडाटा उपलब्ध कराने को कहा गया था। उन्होंने कहा कि बायोडाटा मांगे जाने के समय भी उन्हें इस

जिम्मेदारी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी।

ट्रस्ट में महिलाओं की भूमिका पर डॉ. यादव ने कहा कि महिलाओं को शामिल करना आवश्यक है। महिलाओं के पक्ष को भी सुना जाना चाहिए, तभी उनसे जुड़े

विषयों को बेहतर तरीके से पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उन्हें श्रीराम मंदिर ट्रस्ट में इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। ट्रस्ट में महिलाओं की संख्या बढ़ाने की भी उन्होंने वकालत की।

मंदिर में चोरी के मामले पर जांच के बाद निर्णय की बात

राम मंदिर में चोरी के मामले से जुड़े सवाल पर डॉ. यादव ने कहा कि उन्हें अभी ट्रस्टी बनाया गया है। जो भी मुद्दा सामने आएगा, उस पर बैठक में विचार किया जाएगा। जांच के बाद जो परिणाम सामने आएगा।

पंजीकरण निरस्त फर्म से रोडवेज ने वसूले 60 लाख रुपये!

जीएसटी पंजीकरण रद्द होने के बाद भी जारी रहा भुगतान शिकायत पर जांच शुरू

फिरोजाबाद, जीएनएस।

रोडवेज के शिकोहाबाद डिपो से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जिसने विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि जिस फर्म का जीएसटी पंजीकरण करीब एक वर्ष पहले निरस्त हो चुका था, उसी फर्म से रोडवेज में काम कराया जाता रहा। इतना ही नहीं, जीएसटी के नाम पर बिलों का भुगतान भी किया गया। शिकायतकर्ता ने करीब 60 लाख रुपये की रकम वसूले जाने का आरोप लगाया है।

जसराना क्षेत्र के गांव उत्तरारा निवासी नरेंद्र कुमार ने मामले की शिकायत क्षेत्रीय प्रबंधक इटावा से की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि तत्कालीन कार्यवाहक क्षेत्रीय प्रबंधक की मिलीभगत से पंजीकरण निरस्त फर्म को रोडवेज में काम दिया गया। शिकायतकर्ता ने इस संबंध में सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत भी

विभाग से अभिलेख और भुगतान संबंधी जानकारी मांगी है।

डीजल चोरी का भी लगाया आरोप

शिकायत में रोडवेज डिपो परिसर में बसों से डीजल चोरी किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। इसके अलावा आरटीआई से मिली जानकारी के आधार पर फर्म संचालक द्वारा मरम्मत कार्य के लिए छह कर्मचारियों की नियुक्ति किए जाने की बात कही गई है। आरोप है कि बसों में खराबी आने पर बाहर से मजदूर बुलाकर काम कराया जाता है।

जांच के बाद होगी कार्रवाई: मामले में क्षेत्रीय प्रबंधक कपिल कुमार ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है। प्रकरण की जांच कराई जा रही है। जांच में यदि कोई अधिकारी या अन्य व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। विभागीय जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

स्वाइन फ्लू और संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

शिकोहाबाद। स्वाइन फ्लू और संचारी रोग नियंत्रण अभियान की तैयारियों को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जिला संयुक्त चिकित्सालय शिकोहाबाद में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, आशा संगिनी, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी समेत अन्य विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

बैठक में स्वाइन फ्लू और संचारी रोगों की रोकथाम के लिए शासन स्तर से जारी दिशा-निर्देशों का प्रभावी ढंग से पालन कराने के निर्देश दिए गए। आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को क्षेत्र में भ्रमण कर सभी पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि टीबी रोगियों की पहचान कर उनकी जांच और समुचित उपचार सुनिश्चित कराया जाए। खोजी अभियान चलाकर

कुष्ठ रोगियों की पहचान करने और उनका इलाज कराने को कहा गया।

एमसीडी कार्यक्रम के तहत कैंसर स्क्रीनिंग के लिए विशेष अभियान चलाने के साथ गांव-गांव स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश दिए गए। शिविरों में आयुष्मान कार्ड बनाने के साथ टीबी, कैंसर और कुष्ठ रोगियों की जांच की जाएगी। लोगों की हाइपरटेंशन और शुगर की जांच भी अनिवार्य रूप से कराने को कहा गया।

ओपीडी के मरीजों का होगा ओरल चेकअप

बैठक में ओपीडी में आने वाले सभी मरीजों का ओरल चेकअप कराने के निर्देश दिए गए। गर्भवती महिलाओं और नवजात बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित कराने को कहा गया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बच्चों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

पंजाबी परिषद चंबल संभाग का तीर्थ दर्शन पिकनिक, एवं बैठक 8 को ओरछा में

ग्वालियर, जीएनएस।

पंजाबी परिषद ग्वालियर चंबल संभाग समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी तीर्थ दर्शन यात्रा, पिकनिक, एवं आगामी होने वाले कार्यक्रमों को बैठक करने जा रही है उसकी तैयारी को लेकर आज समिति के अध्यक्ष कन्हैयालाल आनंद के निवास पर एक बैठक रखी गई जिसमें निर्धारित किया गया की 8 सितंबर मंगलवार को सुबह 8-30 बजे पंजाबी परिषद ग्वालियर चंबल संभाग के सदस्य परिवार सहित



तीर्थ दर्शन यात्रा ओरछा के लिए राम मंदिर से रवाना होंगे,

वह पहुंचकर सबसे पहले रामराजा सरकार के दर्शन करेंगे तत्पश्चात ओरछा रिजॉर्ट पहुंचकर

सांस्कृतिक कार्यक्रम, मनोरंजन गेम, एवं वर्ष भर में होने वाले अन्य सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा के लिए बैठक रखी जाएगी, तत्पश्चात शाम को दतिया

पहुंचकर मां पीतांबरा माई के, एवं जोरासी पहुंचकर हनुमान जी के दर्शन करके वापस ग्वालियर राम मंदिर पर प्रस्थान करेंगे बैठक में समिति के अध्यक्ष कन्हैयालाल आनंद, अशोक सहगल, केवल कृष्ण सूरी, हरीश साहनी, महिला अध्यक्ष कुसुम भसीन, प्रभारी बबीता डाबर, हरीश सहगल, राजवीर खुराना कार्यक्रम संयोजक राजकुमार अरोड़ा, संजय सपरा, मीडिया प्रभारी राजू पंडित सहित चंबल संभाग के सदस्य भारी संख्या में उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक

श्रमसाधना

आपकी दुःख की छाड़ी में श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रसम पगड़ी का प्रकाशन

निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर

0751-2625029

9074257600

शिवपुरी

07492-232149

8251071286

E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

इच्छुक अभ्यर्थी एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से 20 अगस्त से पंजीयन कर ले सकते हैं प्रवेश

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय भिण्ड में इंजीनियरिंग डिप्लोमा में प्रवेश 14 तक

भिण्ड, जीएनएस।
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा तकनीकी शिक्षा संस्थाओं में प्रवेश की अंतिम तिथि में वृद्धि के उपरांत, संचालनालय, तकनीकी शिक्षा के निर्णय के उपरांत, अब शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय भिण्ड में प्रवेश दिनांक 14 सितम्बर तक लिए जा सकते हैं। महाविद्यालय में सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट में प्रवेश हेतु कुछ सीट ही उपलब्ध हैं।

महाविद्यालय में संचालित

समस्त डिप्लोमा पाठ्यक्रम तीन वर्षीय व प्रवेश प्राप्त करने हेतु न्यूनतम अर्हता मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं उत्तीर्ण होना है। इच्छुक अभ्यर्थी एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से दिनांक 20 अगस्त से पंजीयन कर, महाविद्यालय में प्रातः 10-30 बजे से उपस्थित होकर प्रवेश ले सकते हैं। एमपी ऑनलाइन के माध्यम से पंजीयन करने के पश्चात, अभ्यर्थी निर्धारित तिथि एवं समय पर आवश्यक मूल दस्तावेजों एवं उनकी छायाप्रतियों के साथ उपस्थित होकर रिक्त सीटों पर प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।

प्रवेश रिक्त सीटों की उपलब्धता एवं संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार प्रदान किया जाएगा। ज्ञात हो कि शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय भिण्ड गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करने और विभिन्न उद्योगों के लिए कुशल पेशेवरों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। अनुभवी संकाय और सुसज्जित प्रयोगशालाओं के साथ, महाविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान और उद्योग प्रासंगिक कौशल के साथ सफल भविष्य हेतु सशक्त बनाना है।

तीन वर्षीय डिप्लोमा धारक के समक्ष करियर में आगे बढ़ने के कई विकल्प खुल जाते हैं। डिप्लोमा पूर्ण करने के पश्चात् डिप्लोमा धारक शासकीय सेवा अथवा निजी कंपनियों में उपयंत्री के पद के लिए चयनित हो सकता है। इसके अतिरिक्त यदि वह अपनी शिक्षा रखना चाहता है तो डिप्लोमा धारक को लेटरल एंट्री के माध्यम से बीटेक (इंजीनियरिंग) में सीधे द्वितीय वर्ष में प्रवेश लेने की पात्रता होगी। संस्था में विद्यार्थियों की पात्रता अनुसार शासन की सभी योजनाएं एवं स्कॉलरशिप उपलब्ध हैं।

होटल और मैरिज गार्डन परिसरों में ही करना होगा गीले कचरे का निपटान

नियम तोड़ने पर नगर पालिका लहार करेगी सख्त चालानी कार्यवाई

लहार, जीएनएस।

नगर पालिका परिषद लहार की मुख्य नगर पालिका अधिकारी (CMO) ज्योति सुनहरे के निर्देशानुसार शहर के होटल और मैरिज गार्डन संचालकों के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का पालन अनिवार्य कर दिया गया है। इसके तहत व्यावसायिक संस्थानों को अपने परिसर से निकलने वाले गीले कचरे का निपटान परिसर के भीतर ही खाद (कंपोस्टिंग) या अन्य प्रसंस्करण तकनीक से करना होगा। नियमों

की अनदेखी करने और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने वाले प्रतिष्ठानों पर भारी जुर्माना लगाने के साथ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। ?स्वच्छता टीम ने किया औचक निरीक्षण,नियमों के जमीनी क्रियान्वयन के लिए नगर पालिका की स्वच्छता टीम-भूपेंद्र कुमार, अरविंद गोहर और संजय-ने स्थानीय होटलों एवं मैरिज गार्डनों का औचक निरीक्षण किया। टीम ने संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बल्क वेस्ट जनरेटर (अधिक कचरा उत्पन्न करने वाले संस्थान) होने के नाते गीले कचरे का इन-हाउस निस्तारण उनकी कानूनी जिम्मेदारी है।

फ्लू के लक्षण दिखने पर खुद दवाईयां न लें और तुरंत सरकारी अस्पताल में जाकर डॉक्टरों से परामर्श लें

भिण्ड, जीएनएस।

मौसम में तेजी से आ रहे बदलाव के कारण मध्य प्रदेश सहित भिण्ड जिले में मौसमी इन्फ्लुएंजा (सीजनल फ्लू) के मामलों में बढ़ोत्तरी की संभावना को देखते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एस. यादव द्वारा जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों, जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश जारी किए गए हैं।

गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों पर विशेष निगरानी के निर्देश:- सीएमएचओ ने स्पष्ट किया है कि सामान्य तौर पर यह फ्लू हल्का होता है, लेकिन गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों, छोटे बच्चों और पहले से गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों में यह जानलेवा साबित हो सकता है ऐसे संवेदनशील मरीजों की समय पर स्क्रीनिंग

??भिण्ड जिले में मौसमी इन्फ्लुएंजा (सीजनल फ्लू) को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

और पहचान करने के निर्देश दिए गए हैं।

ऑक्सीजन स्तर 92 प्रतिशत से नीचे जाने पर तुरंत हायर सेंटर रेफर करें- जिले के सभी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि यदि किसी भी संदिग्ध मरीज का ऑक्सीजन सेचुरेशन स्तर 92 प्रतिशत से नीचे जाता है, तो उसे हाइपोक्सेमिया मानकर तुरंत गंभीर श्रेणी में रखा जाए। ऐसे मरीजों को बिना देरी किए 108 एम्बुलेंस के माध्यम से तत्काल हायर सेंटर रेफर करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

संदिग्ध मरीजों के लिए श्वसन दर (रेस्पिरेटरी रेट), ऑक्सीजन सैचुरेशन और सायनोसिस की जांच अनिवार्य कर दी गई है।

अस्पतालों में अलग वार्ड और पुख्ता व्यवस्था- फ्लू के बढ़ते खतरे को देखते हुए जिला अस्पताल के मेडिसिन और

पीडियाट्रिक विभागों को विशेष रूप से अलर्ट मोड पर रखा गया है।

मरीजों को भर्ती करने के लिए अस्पतालों में अलग से आइसोलेशन वार्ड बनाए जा रहे हैं। विभाग द्वारा दवाओं और ऑक्सीजन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है।

मुख्य लक्षण जिन पर रखें नजर- तेज बुखार, जुकाम, खांसी और गले में खराश। सांस लेने में तकलीफ या छाती में दर्द होना। अत्यधिक कमजोरी महसूस होना और प्लेटलेट कम होना। निमोनिया के लक्षण दिखाई देना।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एस. यादव ने आम जनता से अपील की है कि फ्लू के लक्षण दिखने पर खुद दवाईयां न लें और तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में जाकर डॉक्टरों से परामर्श लें।

इंदरगढ़ में शौचालय न होने से आमजन परेशान, ग्वालियर चौराहे पर 13 लाख स्वीकृत फिर भी निर्माण शुरू नहीं

इंदरगढ़, जीएनएस।

नगर के प्रमुख ग्वालियर चौराहे पर सार्वजनिक शौचालय नहीं होने से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर बाहर से आने वाले यात्रियों और महिलाओं को शौचालय की सुविधा के अभाव में काफी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं।

बताया जा रहा है कि सार्वजनिक शौचालय निर्माण के लिए स्थान चिन्हित कर विधायक निधि से करीब 13 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। इसके बावजूद आज दिनांक तक शौचालय का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब राशि स्वीकृत हो चुकी है और

निर्माण के लिए जगह भी चिन्हित है, तो आखिर निर्माण कार्य में देरी क्यों हो रही है? आमजन ने नगर परिषद से जल्द से जल्द शौचालय का निर्माण शुरू करने की मांग की है। अब सवाल यह है कि 13 लाख रुपये की स्वीकृति के बावजूद ग्वालियर चौराहे पर शौचालय निर्माण कब शुरू होगा?

परिजनों और ग्रामीणों ने के जे एस फैक्ट्री के मुख्य गेट पर शव रखकर प्रदर्शन

मैहरा के जे एस फैक्ट्री में ड्यूटी पर जाते समय सड़क हादसे में कर्मचारी संजय पटेल की मौत के बाद शुक्रवार को मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने के जे एस फैक्ट्री के मुख्य गेट पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजनों के मुताबिक, संजय पटेल ड्यूटी के लिए फैक्ट्री आ रहे थे, इसी दौरान रास्ते में दुर्घटना हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल संजय की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में मातम छा गया।शुक्रवार को परिजन शव लेकर



के जे एस फैक्ट्री के गेट पर पहुंचे और शव रखकर प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में महिलाएं और ग्रामीण भी मौके पर मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने मृतक के परिवार को उचित मुआवजा, आर्थिक

सहायता एवं परिवार के एक सदस्य को रोजगार देने की मांग उठाई। मौके पर पुलिस प्रशासन की टीम मौजूद रही और प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया जा रहा है।

डबरा में हादसे के बाद प्रशासन हुआ सतर्क जर्जर भवनों का शुरू हुआ निरीक्षण

डबरा, जीएनएस।

जंगीपुरा क्षेत्र में जर्जर मकान की छत गिरने से मां और दो वर्षीय मासूम बेटे की मौत की दर्दनाक घटना के बाद प्रशासन ने शहर में जर्जर एवं पुराने भवनों को लेकर गंभीरता दिखाई है। हादसे के बाद सोशल मीडिया के माध्यम से देव धनी मंदिर जंगीपुरा के पास स्थित एक जर्जर मकान की स्थिति की जानकारी प्रशासन को दी गई। सूचना मिलते ही डबरा एसडीएम नवकिरण सिंह कौर के निर्देश पर नगर पालिका की टीम ने मौके पर पहुंचकर भवन का निरीक्षण किया और परिवार को सतर्क रहने की सलाह दी।

प्रशासन की तत्परता के बाद नगर पालिका डबरा द्वारा जर्जर एवं



पुराने भवनों का निरीक्षण और सर्वेक्षण भी शुरू कर दिया गया है। वर्तमान में नगर पालिका की टीम जंगीपुरा वार्ड में पहुंचकर ऐसे भवनों की स्थिति का जायजा ले रही है, जिनसे बारिश के मौसम में जनहानि का खतरा हो सकता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि समय रहते जर्जर मकानों को चिन्हित कर

सुरक्षात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी परिवार को ऐसी दर्दनाक घटना का सामना न करना पड़े। खास बात यह है कि जनगणना अभियान के दौरान बीएलओ द्वारा मकानों की स्थिति संबंधी जानकारी भी दर्ज की गई है, जिसका उपयोग प्रशासन ऐसे भवनों को चिन्हित करने में कर सकता है।

चीनी नियंत्रण आदेश के संबंध में दी जानकारी

खाद्य विभाग के दल ने शक्कर व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की जाँच की

ग्वालियर, जीएनएस।

खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा गुरुवार को मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी चीनी नियंत्रण आदेश 2026 के पालन में शक्कर व्यवसायियों के प्रतिष्ठानों की जाँच की गई। खाद्य विभाग की टीम सबसे पहला मैना वाली गली स्थित मुदित ट्रेडर्स के प्रतिष्ठान पर पहुंची जहाँ उनके प्रतिष्ठान और उसके सामने के परिसर में ही स्थित गोदाम में कुल मिलाकर 1253 क्विंटल शक्कर रखी पाई गई। इसी प्रकार दाल बाजार स्थित रामबाबू गोविंददास अग्रवाल के प्रतिष्ठान पर कुल 154 क्विंटल शक्कर होना पाई गई। दोनों ही

प्रतिष्ठानों में निर्धारित सीमा 4000 क्विंटल के अंदर शक्कर होना पाई गई। खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा शक्कर व्यापारियों को चीनी नियंत्रण आदेश 2026 के प्रावधानों से अवगत कराया गया। शासन द्वारा 4000 क्विंटल तक शक्कर के भंडारण पर लिमिट लगाई गई है एवं भंडारित शक्कर का क्रय व्यापारी को त्रय दिनांक से 30 दिनों के अंदर करना होगा। सही शक्कर व्यापारियों को हिदायत दी गई है कि वह अपने लाइसेंस में उल्लेखित व्यापार स्थल / गोदाम पर ही शक्कर का भंडारण करें एवं भारत सरकार के पोर्टल पर नियमित रूप से शक्कर

के स्टॉक की जानकारी अद्यतन करते रहे। अधिकृत भंडारण स्थल के अतिरिक्त किसी अन्य स्थल पर अगर शक्कर का भंडारण होना पाया गया तो उसको अनाधिकृत भंडारण मनाते हुए जप्त किया जाएगा व्यापारियों को नियमित रूप से अपना लेखा-जोखा अद्यतन रखने की भी निर्देश दिए हैं। खाद्य विभाग की उक्त कार्यवाही में जिला आपूर्ति नियंत्रक ग्वालियर श्री अरविंद सिंह भदोरिया, सहायक आपूर्ति अधिकारी सर्व श्री महावीर सिंह राठौर, श्री संजीव शर्मा, श्री सौरभ जैन, श्रीमती पूजा तोमर एवं श्रीमती सारिका कुशवाहा सम्मिलित रही।

हर विधायक को कार और 75 हजार-जनसेवा का नया मॉडल



देश में जनसेवा का स्तर आखिरकार इतना ऊँचा उठ गया है कि अब जनता की सेवा करने के लिए विधायक जी को कार और 75 हजार रुपये महीना मिलेंगे। यानी जनता परेशान हो तो विधायक जी दौड़कर उसके पास जाएँगे-बस शर्त इतनी है कि दौड़ना कार में बैठकर हो!

खबर सुनते ही आम आदमी की आँखों में चमक आ गई। उसे लगा कि शायद अब उसकी समस्याएँ भी वीआईपी हो गई हैं। कल तक नाली, सड़क, बिजली और पानी की शिकायत लेकर जनता पैदल विधायक के घर जाती थी। अब विधायक जी कार लेकर जनता के पास जाएँगे। फर्क सिर्फ इतना है कि कार सरकारी होगी और पेट्रोल का इंतजाम... खैर, वह भविष्य के किसी बड़े पैकेज में होगा!

कहा गया है कि विधायक अपने-अपने क्षेत्र के गाँव-कस्बों में जाएँ, आम लोगों की परेशानियों सुनें और उसका समाधान करें। विचार बहुत सुंदर है। अब कल्पना कीजिए-विधायक जी कार से गाँव पहुँचे। गाँव वाला बोला, फ़साहब, सड़क टूटी पड़ी है। विधायक जी बोले, फ़बहुत अच्छा! रिपोर्ट में लिखो-जनता से मिलकर सड़क की समस्या समझी।

दूसरा बोला, फ़साहब, पानी नहीं आता।

जवाब मिला, फ़बहुत गंभीर समस्या है। इसे भी रिपोर्ट में डालेंगे।

तीसरा बोला, फ़साहब, रोजगार चाहिए।

विधायक जी ने मुस्कुराकर कहा, फ़आई, मेरी भी नौकरी जनता ने ही दी है, अभी तो मैं उसकी इंप्रूवमेंट चुका रहा हूँ।

असल में लोकतंत्र में सबसे ज्यादा मेहनत जनता करती है। वह टैक्स देती है, वोट देती है, लाइन में लगती है और फिर अपनी समस्या लेकर नेताओं के पास जाती है। अब व्यवस्था ने सोचा है कि कम-से-कम नेताओं को जनता तक पहुँचने के लिए कार सुविधा तो मिलनी ही चाहिए।

और 75 हजार रुपये महीना! यह राशि सुनकर सरकारी कर्मचारी ने अपनी तनख्वाह देखी, किसान ने अपनी फसल का भाव देखा और बेरोजगार युवक ने अपनी डिग्री। तीनों ने एक-दूसरे को देखा और फिर चुपचाप मोबाइल जेब में रख लिया।

सहायक के लिए अलग से 25 हजार रुपये महीना भी मिलेंगे। यानी जनसेवा अब टीमवर्क हो गई है। विधायक जी जनता की समस्या सुनेंगे और सहायक जी उसे नोट करेंगे। फिर रिपोर्ट बनेगी, रिपोर्ट जाएगी, बैठक होगी, बैठक की रिपोर्ट बनेगी और अंत में जनता वही खड़ी मिलेगी-उसी टूटी सड़क के किनारे!

सबसे मजेदार बात यह है कि हर तीन महीने में रिपोर्ट भी देनी होगी कि कितने अधूरे काम पूरे किए और कितनी समस्याएँ हल की। यह व्यवस्था सच में लागू हो गई तो नेताओं की असली परीक्षा शुरू होगी। क्योंकि जनता की समस्या सुनना आसान है, समस्या का समाधान करना थोड़ा महंगा पड़ता है!

जनता भी अब समझदार हो गई है। वह कहेगी-फ़साहब, हमारी समस्या सुनने के लिए कार मिली है तो ठीक है, लेकिन आली बार कार में हमारी सड़क भी डालकर ले जाइए। बहुत टूटी हुई है।

कुल मिलाकर लोकतंत्र में एक नया अध्याय खुल रहा है-जनप्रतिनिधि जनता के और करीब आएँगे, बशर्तें कार की दूरी और जनता की दूरी के बीच पेट्रोल का बजट अनुमति दे।

अब देखना यह है कि 75 हजार रुपये जनता की समस्याओं पर खर्च होते हैं या समस्याएँ 75 हजार रुपये की देखकर खुद ही विधायक जी के पास पहुँच जाती हैं!

क्योंकि लोकतंत्र में जनता को सबसे ज्यादा भरोसा इसी बात पर रहता है कि घोषणा बड़ी हो तो उम्मीद भी बड़ी रखनी चाहिए-भले ही सड़क छोटी और टूटी हुई क्यों न हो।

संजय एम तराणेकर

ग्राम छिदी में जलभराव से पीड़ित परिवारों के बीच पहुँचे संजीव नायक

लहार। क्षेत्र के ग्राम छिदी में जलभराव की समस्या से प्रभावित परिवारों से प्रदेश सहसंयोजक संजीव नायक ने मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय प्रशासन से आग्रह किया कि ग्राम में जलभराव की समस्या का शीघ्र समाधान करते हुए पानी की निकासी के समुचित एवं स्थायी इंतजाम किए जाएँ, ताकि ग्रामीणों को इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके।

मसेरन में तीन साल से चारपाई पर पड़े हिम्मत कुशवाहा की मदद को आगे आए समाजसेवी गुलाब सिंह राजावत

लहार, जीएनएस।

अनुभाग के मसेरन ग्राम में पिछले तीन वर्षों से जिंदगी और मौत से जूझ रहे 41 वर्षीय हिम्मत कुशवाहा के परिवार के लिए उम्मीद की नई किरण जगी है। सोशल मीडिया पर बेबसी का वीडियो वायरल होने के बाद समाजसेवी गुलाब सिंह राजावत गाँव पहुँचे और पीड़ित परिवार को राशन, बिस्तर व दैनिक उपयोग की

सामग्री देकर संबल प्रदान किया। साथ ही, उन्होंने परिवार की सबसे बड़ी बेटी की पूरी पढ़ाई का खर्च उठाने का ऐलान किया।

हादसे ने छीनी खुशियाँ, बिक गई जमीन

तीन वर्ष पूर्व छत पर काम करने के दौरान पटिया टूटने से हिम्मत नीचे गिर गए थे। रीढ़ की हड्डी और गर्दन में गंभीर चोट आने के कारण वह पूरी तरह अपाहिज होकर खाट

पर आ गए। इलाज के खर्च के लिए परिवार की एकमात्र एक बीघा जमीन भी बिक गई, लेकिन रीढ़ की चोट के चलते वे दोबारा अपने पैरों पर खड़े नहीं हो सके जिससे परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़ टूट गया और ?कमाई का कोई जरिया नहीं घर में 80 वर्षीय दृष्टिहीन माता-पिता, पत्नी, पाँच बेटियाँ और एक मासूम बेटा है। दाने-दाने को मोहताज परिवार में कोई कमाने वाला

सदस्य न होने और सरकारी योजनाओं का लाभ न मिलने से भुखमरी की नौबत आ गई थी। ?पीड़ित परिवार ने सोशल मीडिया से गुहार लगाई थी पत्नी दिन-रात पति की तीमारदारी में जुटी रहती हैं। आर्थिक तंगी से लाचार होकर हिम्मत ने वीडियो बनाकर मदद की अपील की थी। वीडियो सामने आने के बाद समाजसेवी गुलाब सिंह राजावत ने मौके पर पहुँचकर स्थिति का

जायजा लिया। उन्होंने परिवार को पलंग, चारपाई, राशन, बर्तन और बच्चों को स्कूल बैग सौंपे। कक्षा सातवीं में पढ़ रही हिम्मत की बड़ी बेटी की शिक्षा की पूरी जिम्मेदारी लेते हुए राजावत ने कहा कि बच्ची की पढ़ाई में कोई रुकावट नहीं आने दी जाएगी और आगे भी परिवार की हरसंभव मदद जारी रहेगी। इस मानवीय पहल की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है।

भारी वर्षा को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को सतर्क रहने के लिए निर्देश

दतिया, जीएनएस।

मौसम विभाग द्वारा दतिया जिले एवं आसपास के क्षेत्रों में आज शाम से कल शाम तक भारी से अति भारी वर्षा की चेतावनी जारी किए जाने के मद्देनजर कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े ने जिले के सभी संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले को पूर्ण सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि संभावित आपदा की स्थिति में समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा जनहानि रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता रहे।

कलेक्टर श्री वानखड़े ने सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं पटवारियों को अपने-अपने मुख्यालय एवं कार्यक्षेत्र में अनिवार्य रूप से उपस्थित

रहकर क्षेत्र की स्थिति पर निरंतर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। वहीं ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों को अपने ग्राम पंचायत मुख्यालय पर उपस्थित रहते हुए विशेष रूप से नदी-नालों के किनारे स्थित गांवों, निचली बस्तियों एवं जलभराव संभावित क्षेत्रों की सतत निगरानी करने को कहा गया है।

उन्होंने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को अपने-अपने नगरीय क्षेत्रों में उपस्थित रहकर निचली बस्तियों, जलभराव वाले स्थानों, नालों एवं प्रमुख जल निकासी स्थलों की लगातार निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आवश्यकता पड़ने पर जल निकासी के लिए टीम एवं आवश्यकता

संसाधनों को तत्काल सक्रिय करने के लिए कहा गया है।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिले के नदी-नालों, रपटों, पुल-पुलियाओं, तालाबों एवं बाढ़ संभावित क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए। किसी भी रपटे, पुल अथवा सड़क के ऊपर पानी आने की स्थिति में तत्काल आवागमन बंद कराया जाए तथा आवश्यकतानुसार बैरिकेडिंग कर कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। किसी भी व्यक्ति अथवा वाहन को जोखिम लेकर पानी पार करने की अनुमति न दी जाए।

उन्होंने कहा कि किसी गांव अथवा शहरी क्षेत्र में जलभराव या बाढ़ की स्थिति निर्मित होने पर संबंधित अधिकारी तत्काल मौके पर पहुँचें तथा आवश्यकता

अनुसार प्रभावित नागरिकों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री वानखड़े ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने मोबाइल फोन 24 घंटे चालू रखने एवं कॉल पर उपलब्ध रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही स्थानीय पुलिस, होमगार्ड, पंचायत, नगरीय निकाय, विद्युत विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने को कहा गया है।

पेड़ गिरने, विद्युत तार अथवा खंभे गिरने, मकान क्षतिग्रस्त होने, सड़क कटने अथवा किसी अन्य दुर्घटना की सूचना प्राप्त होते ही संबंधित विभाग को तत्काल सक्रिय कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के

निर्देश भी दिए गए हैं।

कलेक्टर ने कहा कि सभी मैदानी अधिकारी अपने अधीनस्थ अमले एवं स्थानीय नागरिकों से निरंतर संपर्क बनाए रखें। किसी भी गंभीर स्थिति, जनहानि की आशंका अथवा तत्काल सहायता की आवश्यकता की सूचना जिला स्तर पर बिना किसी विलंब के उपलब्ध कराई जाए।

कलेक्टर श्री वानखड़े ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आज शाम से आगामी रात्रि तक सभी संबंधित अधिकारी एवं मैदानी अमला विशेष सतर्कता बरतें और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें। उन्होंने कहा कि समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कर किसी भी स्थिति में जनहानि को रोकना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

महासंघ अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने किया आकर्षक योजना का शुभारंभ

गुना, जीएनएस।

स्थानीय बजरंगड बायपास स्थित भदावर फिलिंग स्टेशन पर एक आकर्षक डिस्काउंट योजना का शुभारंभ कैट के प्रदेश सचिव, व्यापार एवं उद्योग महासंघ के जिलाध्यक्ष मुख्य अतिथि राजेश अग्रवाल के कर कमलों से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ में

पेट्रोल पंप संचालक मानसिंह भदौरिया एवं कुशल भदौरिया द्वारा मुख्य अतिथि राजेश अग्रवाल का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

तदुपरांत महासंघ अध्यक्ष राजेश अग्रवाल द्वारा फीता काटकर इस आकर्षक डिस्काउंट योजना का भव्य शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर संस्था के संचालक कुशल भदौरिया द्वारा बताया गया कि दो पहिया एवं तीन पहिया वाहन चालकों को ? 300/- का डीज़ल पेट्रोल लेने पर एवं चार पहिया वाहन धारकों को ? 2000/- का डीज़ल पेट्रोल लेने पर एक लकी कूपन भेंट किया जाएगा। दिन भर में एकत्रित कूपनों का दूसरे दिन शाम को लकी

ड्रॉ निकाला जाएगा जिसमें विजेता को एक ग्राम चाँदी का सिक्का भेंट किया जाएगा।

यह योजना जन्माष्टमी से प्रारंभ होकर दीपावली तक जारी रहेगी एवं प्रतिदिन लकी ड्रॉ खोला जाएगा।

बड़े वाहन धारकों एवं अन्य उपभोक्ताओं को एक मुश्त ? 10000/- का डीज़ल पेट्रोल कृय करने पर

बिना किसी ड्रॉ के त्वरित एक ग्राम चाँदी का सिक्का भेंट किया जाएगा, जो एक प्रकार से ? 2/50 प्रति लीटर तक का सीधा लाभ उपभोक्ता को देगा।

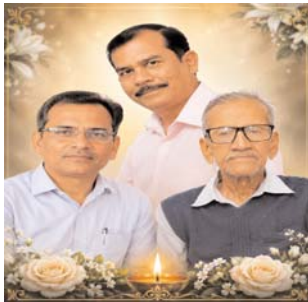
निश्चित ही महंगाई के इस दौर में रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं पर इस प्रकार के डिस्काउंट से आमजन को राहत मिलेगी।

शिक्षा के तपस्वियों को नमन

5 सितंबर शिक्षक दिवस पर विशेष (संजय एम तराणेकर)

शिक्षक दिवस पर आज उन तपस्वियों को याद करें, जिन्होंने जीवन भर ज्ञान की ज्योति जलाकर अध्यापक पथ को रोशन किया। जब कोई शिक्षक धरा का आँगन छोड़कर अनंत यात्रा पर जाता है, लगता है जैसे-किसी पुस्तक का एक अमूल्य अध्याय अचानक मौन हो जाता है।

बच्चू लाल जी दीक्षित-शब्दों के साधक, व्यंग्य की धार से समाज को आईना दिखाने वाले, कलम को कर्म और साहित्य को साधना मानने वाले तपस्वी। उन्होंने शब्दों को जोड़ा, शब्द साधकों को



जोड़ा, 'मंथन साहित्यिक परिवार' के माध्यम से साहित्य की एक ऐसी लौ जलाई, जिसकी रोशनी में कई कलमों ने चलना सीखा।

डॉ. दशरथ जी मसानिया-रेडियो से तकनीक तक के बदलते दौर के साक्षी, ज्ञान को केवल

पढ़ाया नहीं, नवाचार से उसे जीवन में उतारने की राह दिखाई। उनकी कलम में नव-सृजन की बेचैनी थी, नई सोच का उजास था, और विद्यार्थियों के भविष्य के लिए एक नई दिशा गढ़ने का संकल्प था।

कल्याण सिंह राजपूत 'केसर'-तकनीकी युग के शिक्षक, जिनकी कलम ने समय की धड़कनों को सुना, समाचार-पत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज की, और गीत-गुज़ल के सुरों में अपने मन की बात कही। उनकी बातों में भोलापन ऐसा कि अपने दिल की हर बात हर किसी को कह दें। ज्यादा लाख लोपट नहीं पाते ऐसी की सामने वाले के दिल में अपना घर सहज ही बना लें।

तीनों अलग-अलग काल के तीन उजले अध्याय थे-एक में अनुभव की गहराई, दूसरे में परिवर्तन की चेतना, तीसरे में भविष्य की उड़ान थी। भूत, वर्तमान और भविष्य मानो शिक्षक के इन तीन रूपों में एक साथ दिखाई देते थे। आज वे हमारे बीच नहीं, पर उनकी बातें हैं, उनकी कलमें हैं, उनकी सीख है, उनके विचार हैं, और उन विचारों से जन्म लेते अस्संख्य नए शब्द हैं। शिक्षक चले जाते हैं, पर उनकी शिक्षा नहीं जाती, दीपक बुझ जाता है पर उसकी रोशनी आगे बढ़ते हाथों में जिंदा रहती है। इसलिए आज उत्सव के शोर से पहले उन मौन तपस्वियों को नमन करें, जिन्होंने अपना जीवन पीढ़ियों को गढ़ने में लगा दिया।

लायन्स क्लब ऑफ ग्वालियर करेगा 'लायन्स रत्न' सम्मान समारोह

ग्वालियर। लायन्स क्लब ऑफ ग्वालियर द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर क्लब के अपने सदस्यों में उत्कृष्ट सेवाएँ देने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट, डॉक्टर एवं शिक्षकों के सम्मान में विशेष 'लायन्स रत्न' सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है।

समारोह 5 सितंबर 2026, शनिवार को शाम 6 बजे श्री शीतला सहाय सभागार, कैसर हॉस्पिटल, ग्वालियर में आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वृद्धत स्वच्छता ला. जी. एल. भोजवानी तथा स्पेशल गेस्ट ला. डॉ. बी. आर. श्रीवास्तव रहेंगे।

क्लब पदाधिकारियों के अनुसार यह आयोजन क्लब के उन सदस्यों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने का प्रयास है, जिन्होंने शिक्षा, चिकित्सा, वित्त एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष MJF ला. नरेन्द्र अग्रवाल, मानसेवी सचिव ला. पुनीत अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ला. राहुल गोयल सहित क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहेंगे। निवर्तमान अध्यक्ष स्वच्छता ला. रामकरन पारीक, समारोहक कन्वीनर स्वच्छता ला. श्रेयांश जैन एवं ला. नीरज गर्ग हैं।

गुरुजन के
अथक प्रयासों और
समर्पण को नमन



राज्य स्तरीय जिंडाक सम्मान समारोह 2026

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



उत्कृष्ट शिक्षा से प्रशस्त होती विकसित प्रदेश की दिशा

- 3 वर्ष में 3.06 लाख मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप हेतु ₹765 करोड़ का अंतरण
- कक्षा 6वीं एवं 9वीं के 13 लाख विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल वितरण
- 369 सांदीपनि विद्यालय प्रारंभ, जिनमें 4.02 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत, 138 सांदीपनि भवनों का निर्माण पूर्ण एवं 132 भवन निर्माणाधीन
- 3 वर्ष में बोर्ड परीक्षा परिणाम में 20%+ की वृद्धि
- आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लास एवं डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा के साथ 799 पीएमश्री विद्यालय संचालित
- हर जिला मुख्यालय, विकासखण्ड में एक शासकीय उ.मा. विद्यालय का उत्कृष्ट विद्यालय के रूप में विकास
- गोड्री, भीली, सदरिया, बारेली, निमाड़ी, बुन्देली एवं बघेली भाषाओं में तैयार त्रिभाषा पुस्तकें, 21 जिलों के 89 जनजातीय विकासखण्डों में उपलब्ध

मुख्य अतिथि
मंजुभाई पटेल
राज्यपाल

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

5 सितम्बर, 2026

आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं
प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल